इंदौर, भोपाल से एक साथ प्रकाशित

मृदुभाषी

सच्ची ख़बरें, सलीके के साथ



04
मुझे टिकट देने की किसी औकात



04
नगीना बनने को पसीना बहाते हर्ष संघवी

youtube.com/mradubhashi x.com/mradubhashi1 facebook.com/mradubhashi

इंदौर, शनिवार, 28 नवम्बर 2026 नगर संस्करण, वर्ष: 07, अंक: 70, पृष्ठ: 08, मूल्य: 5:00 रूपए

न्यूज इन ब्रीफ

रोहित 3 साल बाद फिर MI के कप्तान



नई दिल्ली। रोहित शर्मा 3 साल बाद एक बार फिर मुंबई इंडियंस के कप्तान बन गए हैं। वे हार्दिक पंड्या की जगह लेंगे। फ्रेंचाइजी ने शुक्रवार को इसका ऐलान किया। 39 साल के रोहित 2013 से 2023 तक लगातार 11 सीजन टीम के कप्तान रहे। हार्दिक की कप्तानी में मुंबई पिछले 3 सीजन में सिर्फ एक बार प्लेऑफ में पहुंच सकी थी। फ्रेंचाइजी ने उन्हें ट्रेड से पंजाब किंग्स भेज दिया।

ऋतब्रत अब नहीं रह सकेंगे नेता प्रतिपक्ष



कोलकाता। कलकत्ता हाईकोर्ट ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल विधानसभा अध्यक्ष के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसके तहत 3 जून को ऋतब्रत बनर्जी को नेता प्रतिपक्ष और अखरुज्जमां को चीफ व्हिप नियुक्त किया गया था। अदालत ने आदेश को गलत ठहराते हुए उन्हें 10 दिन के भीतर दोनों नियुक्तियों पर नए सिरे से फैसला लेने का निर्देश दिया है। विवाद उस समय शुरू हुआ था बनर्जी ने चट्टोपाध्याय को नेता प्रतिपक्ष बनाने का निर्णय लिया था।

दीपथून पर दीप नहीं जला, कोर्ट नाराज



नई दिल्ली। तमिलनाडु में मदुरै की पहाड़ी पर आदेश के बावजूद दीप न जलाए जाने पर सुप्रीम कोर्ट ने प्रशासन को कड़ी फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा कि 28 नवंबर को यहां CRPF की सुरक्षा में दीप जलाया जाए। मदुरै में कार्तिक पूर्णिमा के दिन 'कार्तिगई दीपम' नाम की रस्म के तहत ऊंची पहाड़ी के ऊपर बने स्तंभ पर दीप जलाया जाता है। इस स्तंभ को दीपथून कहते हैं।

मोदी का मास्टर स्ट्रोक: महिला आरक्षण के साथ बदलेगा सियासत का गणित, विपक्ष के खेमे में भी हलचल

लोकसभा में 543 से 824 सीटें! जो बढ़ेंगी वह महिलाओं के लिए हो सकती हैं रिजर्व

सीटें तो बढ़ेंगी, लेकिन राज्यों का हिस्सा नहीं घटेगा; 2051 तक नहीं बदलेगा गणित!

मृदुभाषी। नई दिल्ली

देश की राजनीति में लोकसभा सीटों को लेकर अब तक का बड़ा बदलाव होने जा रहा है। केंद्र सरकार ने लोकसभा की सीटें 50 प्रतिशत तक बढ़ाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। मौजूदा 543 सीटें बढ़कर 815 से 824 तक पहुंच सकती हैं। खास बात यह है कि बढ़ने वाली सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित किए जाने का प्रस्ताव है। राज्यों के बीच सीटों का मौजूदा अनुपात भी बरकरार रखने की तैयारी है। 30 नवंबर से शुरू हो रहे संसद के विशेष सत्र में सरकार इस विधेयक को पारित कराने की कोशिश करेगी।

केंद्र सरकार ने परिसीमन को लेकर इस बार ऐसा फॉर्मूला तैयार किया है, जो उत्तर से दक्षिण तक सियासत का गणित बदल सकता है। प्रस्ताव के मुताबिक, हर राज्य की मौजूदा लोकसभा सीटों में 50 प्रतिशत की समान बढ़ोतरी की जाएगी। लोकसभा की 543 सीटें बढ़कर करीब 815 हो जाएंगी। हालांकि, अलग-अलग राज्यों में आधी सीट के बाद पूर्णांक निर्धारित करने पर यह संख्या 824 तक पहुंचने का अनुमान भी है। इस प्रस्ताव की सबसे अहम बात यह है कि किसी राज्य की दूसरे राज्य के मुकाबले मौजूदा आनुपातिक हिस्सेदारी कम नहीं होगी। यानी उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे अधिक आबादी वाले राज्यों की सीटें बढ़ने के साथ दक्षिण भारतीय राज्यों का प्रतिनिधित्व घटने की आशंका को दूर करने की कोशिश की गई है।



शुक्रवार को दोनों प्रस्तावों पर चर्चा के लिए नई दिल्ली में प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में केबिनेट की बैठक हुई।

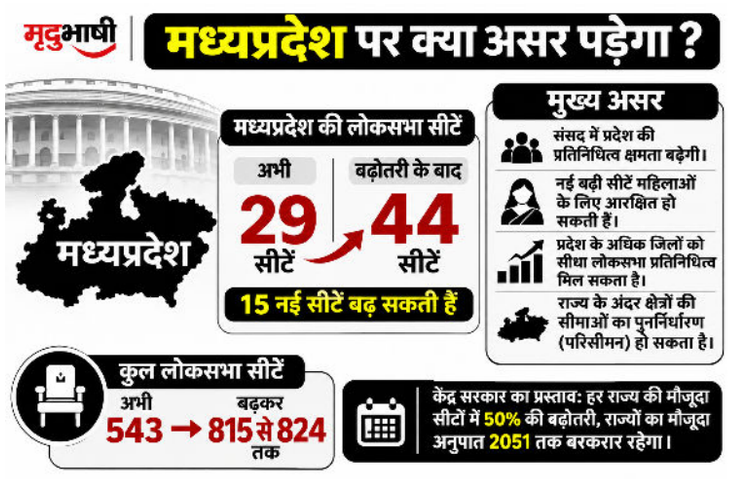

यह बनाया गया है आधार...

सीटों की संख्या का निर्धारण 1971 की जनगणना के आधार पर और संसदीय क्षेत्रों की सीमाओं का परिसीमन 2011 की जनगणना के आधार पर किए जाने की बात सामने आई है। बढ़ाई जाने वाली सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित किए जाने का प्रस्ताव भी इस पूरी कवायद को खास बना रहा है।

30 नवंबर से 3 दिसंबर तक संसद का सत्र

संसद का विशेष सत्र 30 नवंबर से 3 दिसंबर तक चलेगा। इसे मानसून सत्र का विस्तार माना गया है, क्योंकि 13 अगस्त को संसद अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हुई थी, लेकिन सत्र औपचारिक रूप से समाप्त नहीं किया गया था। सरकार ने अभी यह स्पष्ट नहीं किया है कि विशेष सत्र में कौन-कौन से विधेयक पेश किए जाएंगे। परिसीमन से जुड़े विधेयक को दोबारा लाए जाने की संभावना के बीच कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शनिवार को विपक्षी दलों के नेताओं की बैठक बुलाई है।

मृदुभाषी एक्सप्लेनर

54 वोट से पहले गिर चुका है बिल

अब सरकार को चाहिए विपक्ष का साथ!

सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती इस विधेयक को संसद में दो-तिहाई बहुमत से पारित कराने की है। इससे पहले 16 से 18 अप्रैल 2026 के विशेष सत्र में पेश संविधान संशोधन विधेयक को 298 सांसदों का समर्थन मिला था, जबकि 230 सांसदों ने विरोध में मतदान किया था। कुल 528 सांसदों की मौजूदगी में विधेयक को 352 वोटों की जरूरत थी। इस तरह यह 54 वोट से पारित नहीं हो सका था। अब सरकार ने नए सिरे से समर्थन जुटाने की कोशिश शुरू कर दी है। NCP (शरदचंद्र पवार) के विधायक जितेंद्र आव्हाड ने शरद पवार से बातचीत का हवाला देते हुए परिसीमन का समर्थन करने की बात कही है। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि यह पार्टी का आधिकारिक फैसला नहीं था। DMK और YSRCP से भी सशर्त समर्थन मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। दूसरी तरफ कांग्रेस का आरोप है कि सरकार विधेयक पारित कराने के लिए बहुमत जुटाने की कोशिश में विपक्ष को गुमराह कर रही है।



NDA के पास 320 सांसद, चाहिए एक तिहाई से ज्यादा का समर्थन

लोकसभा में NDA के पास सहयोगियों समेत करीब 320 सांसद बताए जा रहे हैं। मौजूदा गणित के अनुसार सरकार को जरूरी दो-तिहाई समर्थन तक पहुंचने के लिए अतिरिक्त वोटों की जरूरत होगी। राज्यसभा में भी 11 सांसदों के समर्थन का अंतर बताया गया है। 30 नवंबर से 3 दिसंबर तक चलने वाले संसद के विशेष सत्र में इस विधेयक पर सबकी निगाहें रहेंगी। सवाल सिर्फ लोकसभा की सीटें बढ़ाने का नहीं है, बल्कि यह भी है कि क्या सरकार इस बार दो-तिहाई बहुमत का जादुई आंकड़ा छू पाएगी? और क्या महिला आरक्षण के नाम पर तैयार किया गया यह नया राजनीतिक फॉर्मूला विपक्षी एकजुटता को और कमजोर कर देगा? सरकार नंबर जुटाने के प्रयास में जुट गई है।

जजों की नियुक्ति में SC-ST-OBC पर गवई का पत्र

मृदुभाषी। नई दिल्ली



सुप्रीम कोर्ट के पूर्व चीफ जस्टिस बीआर गवई ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिखकर सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट में जजों की नियुक्ति तथा तबादले की प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाए हैं। 27 नवंबर को लिखे इस पत्र में पूर्व सीजेआई ने दावा किया कि कॉलेजियम की हालिया सिफारिशों में एक खास समुदाय को अधिक महत्व दिया जा रहा है और जजों की नियुक्ति व ट्रांसफर के फैसलों में योग्यता के साथ-साथ सभी वर्गों को समान अवसर देने के सिद्धांतों की अनदेखी हो रही है।

अपने पत्र में पूर्व सीजेआई गवई ने आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि 2018 से अब तक देश के हाईकोर्ट में कुल 715 जजों की नियुक्ति हुई है, जिनमें सामान्य वर्ग की हिस्सेदारी करीब 75 प्रतिशत रही है। उनके अनुसार, इस अवधि में अनुसूचित जाति (SC) से केवल 22, अनुसूचित जनजाति (ST) से 16, अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC) से 89 और अल्पसंख्यक समुदायों से 37 जज ही नियुक्त हो पाए हैं। गवई ने आगे उल्लेख किया कि जनवरी 2021 से जनवरी 2026 के बीच हुई हाईकोर्ट नियुक्तियों में सामान्य वर्ग का हिस्सा बढ़कर करीब 80 प्रतिशत तक पहुंच गया।

सीएम का एक्शन

लापरवाही पर देवास जीएम उद्योग निलंबित

पर्यवेक्षक का इंक्रीमेंट रोका, ठेकेदार पर जुर्माना

मृदुभाषी। देवास

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को देवास में मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत आयोजित समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम में आवेदकों की समस्याएं सुनने के बाद लापरवाह अधिकारियों और ठेकेदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए।

समस्या का त्वरित समाधान नहीं करने, प्रकरण की नस्ती प्रस्तुत नहीं कर पाने और उदासीनता बरतने पर मुख्यमंत्री ने देवास के महाप्रबंधक उद्योग रतन सिंह डावर को निलंबित करने के निर्देश दिए। वहीं देवास की आवेदिका कुमारी सलोनी सिसोदिया को लाड़ली लक्ष्मी योजना की छात्रवृत्ति का भुगतान नहीं मिलने, राशि अन्य खाते में जमा होने तथा पर्यवेक्षक द्वारा फॉलोअप नहीं करने के मामले में महिला एवं बाल विकास विभाग की संबंधित पर्यवेक्षक की एक वेतन वृद्धि रोकने के आदेश दिए गए। इसके अलावा देवास के सुरेश मालवीय की नल जल योजना से जुड़ी शिकायत पर लापरवाही बरतने वाले संबंधित ठेकेदार पर एक लाख रुपये की पैनल्टी लगाने के निर्देश भी दिए गए। कार्रवाई के साथ-साथ मुख्यमंत्री ने पीड़ितों और परिजनों को आर्थिक सहायता देने की घोषणाएं भी कीं। उन्होंने सैनिक स्व. पवन यादव के परिवार को दस लाख रुपये की सहायता राशि प्रदान करने की घोषणा करते हुए कहा कि प्रकरण का आवश्यक परीक्षण कराकर सैनिक को शहीद का दर्जा देने पर विचार किया जा रहा है। साथ ही फसल बीमा की राशि नहीं मिलने की शिकायत पर वन अधिकार पट्टाधारी किसान लाल सिंह को 50 हजार रुपये की सहायता राशि देने और भुगतान की प्रक्रिया शीघ्र पूरी करने के निर्देश दिए। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने देवास जिले के करण देवड़ा, नीरज दुबे, कुमारी सलोनी सिसोदिया, हरेंद्र पांचाल और आवेदक लाल सिंह पिता रतनलाल से चर्चा कर समस्याओं के त्वरित निराकरण के निर्देश दिए, जबकि इस अवसर पर मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल, सचिव मुख्यमंत्री सचिवालय डॉ. सुदाम खाड़े, संभागायुक्त उज्जैन आशीष सिंह, एडीजी उज्जैन राकेश गुप्ता, डीआईजी नवनीत भसीन, कलेक्टर नेहा मीना और पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।



धार कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन

पूछा-किब तक मिलेगी समस्याओं से मुक्ति

बेड़ियां डालकर 50 किमी पैदल चले किसान

मृदुभाषी। धार

किसानों की समस्याओं की अनदेखी से नाराज भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को अनोखे अंदाज में प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। हाथ-पैरों में लोहे की बेड़ियां पहनकर यूनियन के जिलाध्यक्ष राकेश सोलंकी सहित कई किसान करीब 50 किलोमीटर पैदल चलकर सरदारपुर से धार पहुंचे।

यहां कलेक्ट्रेट परिसर में धरना देकर किसानों ने अपनी नाराजगी जाहिर की। उनका कहना था कि बार-बार ज्ञापन और आंदोलन के बावजूद समस्याओं का समाधान नहीं हो रहा है। किसानों की प्रमुख मांग नर्मदा-माही लिंक परियोजना से जुड़ी है। किसान नेताओं का आरोप है कि सरदारपुर क्षेत्र के 66 गांवों को सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराने का भरोसा दिया गया था, लेकिन अब तक इन गांवों तक पानी नहीं पहुंचा। किसानों ने शेष गांवों को भी परियोजना में शामिल कर पानी उपलब्ध कराने की मांग की। प्रदर्शन कर रहे किसानों ने इसके अलावा कम बारिश और फसलों पर मंडराते संकट को देखते हुए पूरे धार जिले को सूखाग्रस्त घोषित करने तथा किसानों से कर्ज वसूली रोकने की मांग उठाई।



एसडीएम कार्यालय से हटाया तो पहन ली बेड़ियां

किसान नेताओं के मुताबिक, गुरुवार को सरदारपुर एसडीएम कार्यालय परिसर में धरना शुरू किया गया था, लेकिन अनुमति नहीं होने का हवाला देकर इसे समाप्त करने को कहा गया। इससे नाराज किसानों ने बेड़ियां पहनकर धार तक पैदल मार्च करने का निर्णय लिया। शुक्रवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर उन्होंने कलेक्टर से सीधे मुलाकात की मांग की। डिप्टी कलेक्टर सलोनी अग्रवाल ने बातचीत कर उन्हें समझाने का प्रयास किया, लेकिन किसान अपनी मांग पर अड़े रहे।

सोमवार को कलेक्टर से होगी मुलाकात

काफी देर चले प्रदर्शन के बाद एसडीएम राजकुमार हलदर ने किसानों से चर्चा की और सोमवार को कलेक्टर से मुलाकात कराने का आश्वासन दिया। इसके बाद किसानों ने धरना समाप्त कर दिया। हालांकि यूनियन पदाधिकारियों ने स्पष्ट किया कि अब केवल आश्वासन से काम नहीं चलेगा। यदि सोमवार की बैठक में मांगों के समाधान की दिशा में ठोस पहल नहीं हुई तो आंदोलन आगे भी जारी रहेगा।

ग्वालियर से फर्जीवाड़े का मास्टरमाइंड गिरफ्तार

11वीं पास युवक बना 'गायनेकोलॉजिस्ट' और 'सफदरजंग' अस्पताल का डॉक्टर!

मृदुभाषी। ग्वालियर

मरीजों की जिंदगी संभालने वाले पेशे में जब फर्जीवाड़े की एंट्री हो जाए, तो स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल उठना लाजमी है। ऐसा ही हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है, जहां महज 11वीं पास बताए जा रहे ग्वालियर के एक युवक ने कथित तौर पर MBBS, MD गायनेकोलॉजी और DMRD जैसी बड़ी मेडिकल डिग्रियां जुटा लीं और मेडिकल काउंसिल में रजिस्ट्रेशन भी करा लिया। इससे भी चौंकाने वाली बात यह है कि जांच में उसके दिल्ली के प्रतिष्ठित सफदरजंग अस्पताल में जूनियर रेजिडेंट के रूप में काम करने और दिल्ली के कई अस्पतालों में सोनोग्राफी करने की बात सामने आई है। इस बड़े फर्जीवाड़े की परतें खोलते हुए राजस्थान स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (SOG) की टीम ग्वालियर पहुंची और राजा की मंडी के पास रहने वाले मनीष मांझी को गिरफ्तार कर ट्रांजिट रिमांड पर जयपुर ले गई। राजस्थान SOG ने इस फर्जी मेडिकल डिग्री और रजिस्ट्रेशन नेटवर्क के खिलाफ चार राज्यों में दबिश देकर कुल चार आरोपियों को दबोचा है, जिनमें ग्वालियर का मनीष मांझी भी शामिल है। जांच एजेंसियों को शक है कि फर्जी डिग्रियां बनाने और उनके सहारे मेडिकल रजिस्ट्रेशन करवाने के पीछे कोई संगठित गिरोह काम कर रहा था। उधर, गिरफ्तारी के बाद मनीष के परिवार का बयान भी सामने आया है। पिता अशोक मांझी और भाई सोनू मांझी के अनुसार, राजस्थान पुलिस की टीम शहर के एक अस्पताल से मनीष को अपने साथ ले गई। परिजनों का दावा है कि मनीष सिर्फ 11वीं तक पढ़ा है और अलग-अलग जगहों पर काम करता था, लेकिन उसे MBBS और MD जैसी डिग्रियों के कागजात कहां से मिले और रजिस्ट्रेशन कैसे हुआ, इस बारे में उन्हें कोई जानकारी नहीं है।



42 मकान टूटने के बाद अब पीड़ितों ने उठाए जमीन की टाइटल चेन पर सवाल

हाईकोर्ट की निगरानी में जांच व मुआवजे की मांग

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

इंदौर । शहर के खजराना स्थित कृष्णबाग कॉलोनी में 23 नवंबर को हुई बुलडोजर कार्रवाई के बाद अब यह विवाद जमीन के मालिकाना हक और 40 साल पुराने दस्तावेजों तक पहुंच गया है। शुक्रवार को 42 बेघर परिवारों ने अपने अधिवक्ताओं के साथ इंदौर प्रेस क्लब में पत्रकार वार्ता कर प्रशासनिक कार्रवाई पर गंभीर सवाल उठाए और पूरे मामले की हाईकोर्ट की निगरानी में निष्पक्ष जांच सहित मुआवजे व पुनर्वास की मांग की। वहीं, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने भी पीड़ितों से मुलाकात कर हरसंभव मदद का भरोसा दिया।

पीड़ित पक्ष के अधिवक्ता कुशाग्र चौहान ने जमीन की टाइटल चेन को कटघरे में खड़ा करते हुए बताया कि करीब साढ़े चार एकड़ यह भूमि मूल रूप से अली मोहम्मद की थी। उन्होंने जमीन बेचने के लिए बालमुकुंद सिद्ध को जनरल पावर ऑफ अटॉर्नी दी थी, जिसे वर्ष 1986 में निरस्त कर दिया गया।

अधिकार समाप्त होने के बावजूद 1997 में विक्रय पत्र निष्पादित

वकील का दावा है कि अधिकार समाप्त होने के बावजूद 1997 में विक्रय पत्र निष्पादित किया गया और 2003 में जमीन का हिस्सा श्रीराम बिल्डर्स को बेच



दिया गया। उन्होंने 13 अगस्त 2021 को तत्कालीन निगमायुक्त प्रतिभा पाल द्वारा श्रीराम बिल्डर्स की भवन निर्माण अनुज्ञा निरस्त किए जाने के आदेश का भी हवाला दिया, जिसके खिलाफ दायर याचिका बिल्डर ने 16 अक्टूबर 2025 को वापस ले ली थी। पीड़ितों का सवाल है कि जब निगम खुद स्वामित्व पर सवाल उठा चुका था, तो कार्रवाई में इन तथ्यों को नजरअंदाज क्यों किया गया।इसके अलावा भी अन्य कई तथ्यों को पीड़ित के वकील उठाते हुए कार्रवाई को पूरी तरहसे गलत बता रहे है। दूसरीओर पीड़ित लगातार अपने लिए न्याय की गुहार लगा रहे है।

100 करोड़ का लाभ पहुँचाने की साजिश

रहवासियों ने राजस्व विभाग के कुछ अधिकारियों पर भू-माफिया शशिभूषण खंडेलवाल को करीब 100 करोड़ रुपए का अनुचित लाभ पहुंचाने की साजिश रचने का आरोप लगाया है। उनका दावा है कि महत्वपूर्ण तथ्य छिपाकर एकपक्षीय निष्कासन आदेश तैयार कराया गया, साथ ही मार्च 2003 में एक बैंक में संस्था के नाम से कथित फर्जी खाता खुलवाने और 26 दिसंबर 1997 की फर्जी रजिस्ट्री के जरिए हेराफेरी की गई।

हाईकोर्ट में रिट अपील लंबित

अधिवक्ता चौहान ने बताया कि गलत तथ्यों पर पारित आदेशों में सुधार के लिए एसडीएम के समक्ष दिया गया आवेदन निरस्त होने के बाद अब हाईकोर्ट में रिट अपील लंबित है, जबकि 23 अन्य लोगों को अगली सुनवाई तक तोड़फोड़ से अंतरिम राहत मिली है। दूसरी ओर, महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों पर प्रशासन ने कार्रवाई की है, लेकिन वे पहले दिन से रहवासियों के साथ खड़े हैं। उन्होंने प्रभावित परिवारों के पुनर्वास के लिए मुख्यमंत्री से चर्चा करने और जिला प्रशासन से ठोस योजना बनाने की बात कही है।

'वन इंदौर रन इंदौर' मैराथन 29 नवंबर को

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

इंदौर। शहर में फिटनेस, स्वस्थ जीवनशैली, जल संरक्षण और नशामुक्ति का संदेश देने के लिए 29 नवंबर को वन इंदौर रन इंदौर मैराथन आयोजित की जाएगी। दशहरा मैदान से शुरू होने वाली इस मैराथन में करीब 25 हजार धावकों की भागीदारी का लक्ष्य रखा गया है और अब तक 15 हजार से अधिक लोग पंजीयन करा चुके हैं। महापौर पुष्यमित्र भार्गव के नेतृत्व में यूनाइटेड इंदौर के बैनर तले लगातार दूसरे वर्ष यह आयोजन हो रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव वर्चुअल माध्यम से प्रतिभागियों को संबोधित कर मैराथन का शुभारंभ करेंगे, जबकि पूर्व भारतीय फुटबॉलर रणजीत बजाज और कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय भी कार्यक्रम में शामिल होंगे।महापौर भार्गव ने बताया कि मैराथन में 10, 5 और 3 किलोमीटर की तीन श्रेणियां रखी गई हैं। 10 किलोमीटर दौड़ में दिल्ली, मुंबई, राजस्थान व मध्यप्रदेश के पेशेवर धावक हिस्सा लेंगे, जिसमें प्रथम विजेता को 15 हजार और द्वितीय को 10 हजार रुपए का पुरस्कार मिलेगा। 5 किलोमीटर की दौड़ आम नागरिकों व फिटनेस प्रेमियों के लिए और 3 किलोमीटर की फैमिली रन परिवारों के लिए होगी। सभी श्रेणियों में आकर्षक पुरस्कार रखे गए हैं। आयोजन स्थल पर जुम्बा सहित अन्य फिटनेस गतिविधियां होंगी, साथ ही मेडिकल टीम, सुरक्षा, पार्किंग और प्रतिभागियों को गुडी बैग देने की व्यवस्था की गई है। महापौर ने कहा कि स्वच्छता की तरह फिटनेस, जल संरक्षण और नशामुक्ति को भी जनआंदोलन बनाना है।

नेता प्रतिपक्ष पर निशाना

इस दौरान महापौर ने नगर निगम नेता प्रतिपक्ष सोनिला मिमरोट पर निशाना साधते हुए कहा कि स्वयं अपने वार्ड से अवैध ठेले हटाने का आवेदन देने के बाद सार्वजनिक रूप से निगमकर्मी को थप्पड़ मारकर मनोबल तोड़ना शहर को आगे बढ़ाने वाले कर्मचारियों के साथ अन्याय है। वहीं जल संकट पर उन्होंने कहा कि कम बारिश से घटे भूजल स्तर को देखते हुए नए हाइड्रेंट बनाए जा रहे हैं और जल वितरण व्यवस्था को सुधारा जा रहा है।

तेज रफ्तार कार ने ई-रिक्शा को मारी टक्कर, तीन घायल

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

इंदौर। शहर के तिलक नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत पिपल्याहाना से बंगाली चौराहे के बीच शुक्रवार सुबह एक भीषण सड़क हादसा हो गया। यहां तेज रफ्तार से आ रही एक कार ने सवारियों से भरे ई-रिक्शा को सामने से जोरदार टक्कर मार दी। भिड़ंत इतनी जबरदस्त थी कि ई-रिक्शा सड़क पर पलट गया और उसका पिछला हिस्सा टूटकर करीब 50 फीट दूर जा गिरा। इस दुर्घटना में ई-रिक्शा चालक और दो मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें तत्काल उपचार के लिए एमवाय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे के बाद आरोपी कार चालक अपनी गाड़ी मौके पर ही छोड़कर फरार हो गया।

तिलक नगर पुलिस के अनुसार, यह घटना शुक्रवार सुबह करीब 8 बजे की है। ई-रिक्शा सवारियों को लेकर अपने गंतव्य की ओर जा रहा था, तभी सामने से तेज गति से आ रही कार ने उसे सीधे टक्कर मार दी। ई-रिक्शा को टक्कर मारने के बाद कार भी बेकाबू हो गई और सड़क के बीचों-बीच बने डिवाइडर में जा घुसी। सुबह के समय हुए इस हादसे के बाद मौके पर राहगीरों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए एंबुलेंस को सूचना दी और सभी घायलों को इलाज के लिए एमवाय अस्पताल भिजवाया।पुलिस ने बताया कि इस दुर्घटना में ई-रिक्शा चालक अल्फेश उर्फ बबलू खान तथा मजदूरी करने वाले घनश्याम करोले और राजा सांवले घायल हुए हैं। तीनों के हाथ और पैरों में गंभीर चोटें आई हैं, जिनका अस्पताल में उपचार जारी है। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त कार को अपने कब्जे में लेकर जब्त कर लिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि अस्पताल में भर्ती घायलों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। कार के नंबर के आधार पर फरार चालक की तलाश की जा रही है और उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज कर सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

मुंह दबाकर की गई थी सरिता की हत्या पति समेत 4 आरोपी गिरफ्तार

इंदौर। शीतल नगर में मृत अवस्था में मिली 38 वर्षीय सरिता बिजोरे की मौत सामान्य हादसा नहीं थी, बल्कि मुंह दबाकर उसकी हत्या की गई थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में चौंकाने वाले खुलासे के बाद पुलिस ने सरिता के पति दीपक बिजोरे सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोप है कि दीपक दहेज में कार और दो लाख रुपए नकद के लिए सरिता पर दबाव बना रहा था। एसीपी रुबिना मिजवानी के अनुसार, 16 नवंबर को आरोपी खुद सरिता को अस्पताल लेकर पहुंचे थे और पुलिस को दिए बयान में दावा किया कि संभवतः गिरने के कारण उसकी मौत हो गई है। हालांकि, घटनास्थल की परिस्थितियों को देखते हुए पुलिस को किसी अनहोनी का अंदेशा हुआ और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में चिकित्सकों ने पुष्टि की कि सरिता की चार पसलियां टूटी हुई थीं और उसका मुंह दबाया गया था, जिससे उसकी मौत हुई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर एसीपी ने जब सरिता के मायके पक्ष व परिजनों के बयान दर्ज किए, तो दहेज प्रताड़ना का मामला सामने आया। परिजनों ने बताया कि आरोपी सरिता से दो लाख रुपए नकद और कार की मांग कर रहे थे तथा पिछले वर्ष भी उसके साथ मारपीट की गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए गुरुवार को एसीपी ने कार्रवाई करते हुए पति दीपक बिजोरे, सास प्रेमलता, देवर जितेंद्र और ननद रंजना को गिरफ्तार कर लिया।

बायपास किनारे निर्माण पर हाईकोर्ट की अंतरिम रोक

105 से 150 मीटर के दायरे में नहीं मिलेंगी अनुमति

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

इंदौर। शहर के एबी रोड बायपास (राष्ट्रीय राजमार्ग-52) के किनारे निर्माण और भू-उपयोग परिवर्तन को लेकर मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने महत्वपूर्ण अंतरिम आदेश पारित किया है। जस्टिस सुबोध अभ्यंकर और जस्टिस पवन द्विवेदी की युगल पीठ ने राऊखेड़ी जंक्शन से राऊ जंक्शन के बीच राष्ट्रीय राजमार्ग के 105 से 150 मीटर के दायरे में किसी भी तरह की निर्माण या भू-उपयोग अनुमति जारी करने पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है।

शुक्रवार दोपहर 12:50 बजे से प्रभावी इस आदेश के साथ ही कोर्ट ने राज्य सरकार, केंद्र सरकार और भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण सहित अन्य प्रतिवादियों को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है।



यह जनहित याचिका इंदौर के वरिष्ठ सिविल एवं स्ट्रक्चरल इंजीनियर अतुल शेठ द्वारा दायर की गई है, जिसमें राज्य शासन की 6 मई 2025 की राजपत्र अधिसूचना को चुनौती दी गई है। याचिका में बताया गया है कि राज्य सरकार ने इस अधिसूचना के माध्यम से राऊखेड़ी जंक्शन से राऊ जंक्शन तक राष्ट्रीय राजमार्ग का नियंत्रित क्षेत्र 150 मीटर से घटाकर 105 मीटर कर दिया था, जिससे मुक्त हुई 45 मीटर की पट्टी में मिश्रित भू-उपयोग की अनुमति देने का रास्ता खुल गया था।

छूट देने पर सड़क सुरक्षा को गंभीर खतरा

याचिकाकर्ता की ओर से सीनियर एडवोकेट मनोज मुंशी और एडवोकेट हर्षवर्धन राठौर ने पैरवी करते हुए तर्क दिया कि राष्ट्रीय राजमार्ग केंद्र सरकार के अधिकार क्षेत्र का विषय है, इसलिए राज्य शासन को इसका नियंत्रण क्षेत्र कम करने का कोई वैधानिक अधिकार नहीं है।

इसके अलावा, अधिसूचना जारी करने से पूर्व मध्यप्रदेश नगर तथा ग्राम निवेश अधिनियम, 1973 की अनिवार्य प्रक्रिया का पालन भी नहीं किया गया।

दलील दी गई कि राजमार्ग के इतने करीब निर्माण की छूट देने से सड़क सुरक्षा को गंभीर खतरा पैदा होगा और यह सुप्रीम कोर्ट के 13 अप्रैल 2026 के सड़क सुरक्षा संबंधी निदेर्शों का भी उल्लंघन है। प्रारंभिक तर्कों से सहमत होते हुए कोर्ट ने अंतरिम रोक लगा दी है। अब प्रतिवादियों का जवाब आने के बाद मामले में अगली सुनवाई होगी।

जलसंकट : ग्रीष्मकाल से चार माह पहले ही 400 फीट गहरे बोरिंग सूखे

मेट्रो की 70 फीट खोदाई में भी नमी नहीं



मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

इंदौर। जलसंकट के मुहाने पर खड़े इंदौर शहर में हालात चिंताजनक होते जा रहे हैं। ग्रीष्मकाल अभी कम से कम चार माह दूर है, लेकिन शहर के कई इलाकों में पिछले वर्ष तक भरपूर पानी देने वाले 400 फीट गहरे बोरिंग भी अभी से दम तोड़ने लगे हैं। इस भयावह स्थिति को देखते हुए आने वाली गर्मियों की आशंका से ही शहरवासियों की चिंता बढ़ गई है। स्थिति यह है कि जिन क्षेत्रों में कुछ दशक पहले तक 100 से 200 फीट पर पर्याप्त पानी मिल जाता था और 30 से 40 फीट की गहराई पर ही गीली मिट्टी निकलने लगती थी, वहां अब पानी का नामोनिशान नहीं है। हाल ही में मेट्रो की टनल बनाने के लिए 70 फीट नीचे तक की गई खोदाई में भी नमी तक नहीं मिली। इस गंभीर स्थिति से सबक लेते हुए नगर निगम ने अब नए कराए जाने वाले बोरिंगों की गहराई 700 फीट रखने का निर्णय लिया है।

अत्यधिक दोहन से सूखने लगी है स्टेटिक लेयर

भूजल विशेषज्ञों के अनुसार जमीन के भीतर पानी के दो मुख्य स्तर–डायनामिक और स्टेटिक लेयर होते हैं। सामान्यतः 40 से 60 फीट गहराई वाला डायनामिक स्तर कुओं के लिए माना जाता है, जो वर्षा के रिचार्ज पर निर्भर रहता है, जबकि 100 फीट के बाद स्टेटिक लेयर होती है, जिसका सीधा संबंध भूजल के दोहन से है। इंदौर में अत्यधिक भूजल दोहन के कारण स्टेटिक लेयर सूखने लगी है। स्थिति की गंभीरता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि बिलावली क्षेत्र में, जहां कुछ दशक पहले महज पांच फीट पर पानी निकल आता था, वहां आज अधिकतर बोरिंग सूख चुके हैं ।

डायनामिक और स्टेटिक दोनों ही स्तर सूख चुके

मेट्रो टनल की 70 फीट खोदाई में भी नमी न मिलने पर विशेषज्ञों का मानना है कि संबंधित क्षेत्रों में डायनामिक और स्टेटिक दोनों ही स्तर सूख चुके हैं, जिससे भविष्य में संकट और विकराल हो सकता है। भूजल विशेषज्ञ सुधींद्र मोहन शर्मा ने तेजी से गिरते भूजल स्तर पर चिंता जताते हुए दोहन कम करने की आवश्यकता बताई है। उनका कहना है कि लोगों को पानी बचाने की ओर ध्यान देने होगा, वहीं, महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि संभावित जलसंकट को देखते हुए नागरिकों से कम पानी उपयोग करने की अपील की जा रही है तथा भूजल संरक्षण अभियान चलाया जा रहा है, क्योंकि जनसहयोग के बिना इस संकट से निपटना संभव नहीं है।

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भवन स्वामी द्वारा संपत्ति कर में विक्रय पत्र के आधार पर नामांतरण आवेदन प्रस्तुत किया गया है क्रेता **सुरेशचंद गाँधी पिताश्री पदमचंद गाँधी** पता **4, डिलाईट ग्रीन्स कॉलोनी, निपानिया, इंदौर,** पिन **9000193453,** झोन क्र. 22, वार्ड क्र. 36। विक्रयपत्र अनुसार इस जाहिर सूचना प्रकाशन **28.11.2026** से 15 दिवस की समयावधि के अंतर्गत किसी भी वित्त संस्था, बैंक, निकाय व्यक्ति को आपत्ति हो तो झोन क्रमांक 22 के सहायक राजस्व अधिकारी के संमुख उपस्थित होकर मय दस्तावेज के अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। समयावधि पश्चात आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी, झोन क्रमांक 22 नगर पालिका निगम इंदौर

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भवन स्वामी द्वारा संपत्ति कर में विक्रय पत्र के आधार पर नामांतरण आवेदन प्रस्तुत किया गया है क्रेता **श्रीमती दिव्या गाँधी पतिश्री आलोक गाँधी** पता **5, डिलाईट ग्रीन्स कॉलोनी, निपानिया, इंदौर,** पिन **9000193453,** झोन क्र. 22, वार्ड क्र. 36। विक्रयपत्र अनुसार इस जाहिर सूचना प्रकाशन **28.11.2026** से 15 दिवस की समयावधि के अंतर्गत किसी भी वित्त संस्था, बैंक, निकाय व्यक्ति को आपत्ति हो तो झोन क्रमांक 22 के सहायक राजस्व अधिकारी के संमुख उपस्थित होकर मय दस्तावेज के अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। समयावधि पश्चात आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी, झोन क्रमांक 22 नगर पालिका निगम इंदौर

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भवन स्वामी द्वारा संपत्ति कर में विक्रय पत्र के आधार पर नामांतरण आवेदन प्रस्तुत किया गया है आवेदनकर्ता **श्री सोनू वधेन पिताश्री शिरोमन** विक्रेता **श्री विवेक पिताश्री लक्ष्मीनारायण गौड़** पता **16, गंगाधाम कॉलोनी, इंदौर,** पिन **1003099120,** झोन क्र. 01। विक्रयपत्र अनुसार इस जाहिर सूचना प्रकाशन 28.11.2026 से 15 दिवस की समयावधि के अंतर्गत किसी भी वित्त संस्था, बैंक, निकाय व्यक्ति को आपत्ति हो तो झोन क्रमांक 01 के सहायक राजस्व अधिकारी के संमुख उपस्थित होकर मय दस्तावेज के अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। समयावधि पश्चात आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी, झोन क्रमांक 01 नगर पालिका निगम इंदौर

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भवन स्वामी द्वारा संपत्ति कर में विक्रय पत्र के आधार पर नामांतरण आवेदन प्रस्तुत किया गया है। **1. श्री चैन सुख मंडोवरा 2. श्रीमती मधु मंडोवरा** पिन **1004055521 पैकी भाग,** झोन क्र. 08 वार्ड क्र. 37। पता **जी-48, पुष्प विहार कॉलोनी, इंदौर** इस जाहिर सूचना प्रकाशन **28.11.2026** से 15 दिवस की समयावधि के अंतर्गत किसी भी वित्त संस्था, बैंक, निकाय व्यक्ति को आपत्ति हो तो झोन क्रमांक 08 के सहायक राजस्व अधिकारी के संमुख उपस्थित होकर मय दस्तावेज के अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें । समयावधि पश्चात आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी ।

सहायक राजस्व अधिकारी, शहीद चन्द्रशेखर आजाद झोन क्रमांक 08 नगर पालिका निगम इंदौर

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/क्रेता **श्री विनय वर्मा पिताश्री प्रेमसिंह वर्मा** विक्रेता **श्री कैलाश पिताश्री प्यारेलाल** झोन क्र. 6 राजस्व विभाग पर आवेदन के साथ रजिस्ट्री वसीयतनामा, वारिस नाते, दान पत्र अनुसार प्रस्तुत कर **पिन नं. 1000949367** पता **79, नया 85, शीलनाथ कैम्प, इंदौर** पर नामांतरण चाहा गया है। इस जाहिर सूचना प्रकाशन के दिनांक **28.11.2026** से 15 दिवस की अवधि में किसी भी व्यक्ति बैंक संस्था व अन्य को उक्त संपत्ति के नामांतरण पर आपत्ति हो तो **जोन क्र. 6** के राजस्व विभाग में सहायक राजस्व अधिकारी के समक्ष दस्तावेज के अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अवधि पश्चात वह बिना लेखी प्रमाण प्रस्तुत आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी जोन क्रमांक 6, इ.न. पा. नि. इंदौर

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/क्रेता **श्री प्रदीप छाजेड़ पिताश्री प्रकाशचंद छाजेड़** विक्रेता **श्री विनोद पिता स्व. श्री रघुनाथ चाव्हाण** झोन क्र. 5 राजस्व विभाग पर आवेदन के साथ रजिस्ट्री वसीयतनामा, वारिस नाते, दान पत्र अनुसार प्रस्तुत कर **सर्विस /पिन नंबर 1001285963** पता **89/2-सी न्यू गौरीनगर, इंदौर** पर नामांतरण चाहा गया है। इस जाहिर सूचना प्रकाशन के दिनांक **28.11.2026** से 15 दिवस की अवधि में किसी भी व्यक्ति बैंक संस्था व अन्य को उक्त संपत्ति के नामांतरण पर आपत्ति हो तो जोन क्रमांक 5 के राजस्व विभाग में सहायक राजस्व अधिकारी के समक्ष दस्तावेज के अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अवधि पश्चात वह बिना लेखी प्रमाण प्रस्तुत आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी जोन क्रमांक 5, इ.न. पा. नि. इंदौर

जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित, धार

प्रधान कार्यालय: 1, दीनदयालपुरम मांडू लिंक रोड़ धार (म.प्र.) 454001

Mail id :cbsdhar.mp@gmail.com, dccb_dhar@rediffmail.com

वाहन विक्रय की निविदा सूचना

बैंक की **महिन्द्रा बोलेरो वाहन क्रमांक MP-11-G-1334 (मॉडल 2014)** वर्तमान में जहाँ है, जिस स्थिति (**चालू हालत**) **मे है, को विक्रय किया जाना है।** अतः इच्छुक व्यक्तियों / फर्मो से उक्त वाहन के क्रय हेतु सीलबंद निविदाए आमंत्रित की जाती है।

वाहन का विवरण, आरक्षित मूल्य, धरोहर राशि (अर्नेस्ट मनी), निविदा प्रपत्र, नियम एवं शर्तो की जानकारी बैंक कार्यालय से कार्यालयीन समय (पूर्वान्ह 10.00 बजे से अपरान्ह 05.00 बजे) में प्राप्त की जा सकती है।

इच्छुक व्यक्ति / फर्म निविदा प्रपत्र प्रकाशन दिनांक से दिनांक 07.12.2026 अपरान्ह 03.00 बजे तक राशि रु.500/- (अक्षरी रु. पाँच सौ मात्र) मुख्यालय शाखा धार के अन्य आय खाते में जमा कर बैंक मुख्यालय स्टोर कक्ष से प्राप्त कर सकते है। इस हेतु निविदा सील बंद लिफाफे में दिनांक 07.12.2026 को अपरान्ह 04.00 बजे तक बैंक के प्रधान कार्यालय 01-दिनदयालपुरम, मांडु लिंक रोड, धार में आमंत्रित की जाती है। बैंक की निविदा सक्षम कमेटी द्वारा दिनांक 07.12.2026 को अपरान्ह 05.00 बजे या अन्य कोई दिनांक निश्चित कर बैंक मुख्यालय धार में खोली जावेगी। निविदा की विस्तृत शर्तें एवं वाहन गुणवत्ता का अवलोकन बैंक मुख्यालय के कार्यालयीन समय (पूर्वान्ह 10.00 बजे से अपरान्ह 05.00 बजे) में किया जा सकता है। (के.के रायकवार) मुख्य कार्यपालन अधिकारी

कार्यालय ग्राम पंचायत लेबड़

जिला धार (म.प्र.)

क्रमांक: _____ **विज्ञप्ति** दिनांक: _____

सार्वजनिक मासिक किराया नीलामी सूचना

ग्राम पंचायत लेबड़, जनपद पंचायत धार, जिला धार (म.प्र.)

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत लेबड़ द्वारा रूबन मिशन योजना अंतर्गत निर्मित कुल 09 दुकानों की मासिक किराया नीलामी दिनांक 03 दिसंबर 2026, गुरूवार को प्रात: 11:00 बजे ग्राम पंचायत कार्यालय लेबड़ में आयोजित की जाएगी।

नीलामी हेतु नियम एवं शर्तें निम्नानुसार रहेंगी—

1. नीलामी में केवल ग्राम पंचायत लेबड़ के स्थानीय निवासी ही भाग ले सकेंगे।
2. नीलामी में भाग लेने के इच्छुक व्यक्ति को नीलामी दिनांक से कम से कम 02 दिन पूर्व ग्राम पंचायत के बैंक खाते में ₹5,000/- (पांच हजार रूपये) जमा करना अनिवार्य होगा। केवल ₹5,000/- जमा करने वाले व्यक्ति ही दुकान की बोली लगाने के पाज्ञ होंगे।
3. रूफन बोलीदाता द्वारा जमा की गई ₹5,000/- की राशि दुकान के किराये में समायोजित की जाएगी। जो बोलीदाता दुकान प्राप्त नहीं कर पाएंगे, उनकी जमा राशि बैंक खाते के माध्यम से वापस कर दी जाएगी।
4. प्रत्येक दुकान की नीलामी अलग-अलग की जाएगी तथा प्रत्येक दुकान की सरकारी न्यूनतम बोली ₹5,000/- (पाँच हजार रूपये) निर्धारित रहेगी। ₹5,000/- से अधिक जो बोली लगाएगा तथा जिसकी बोली सर्वाधिक होगी, दुकान उसी बोलीदाता को आवंटित की जाएगी।
5. दुकान का आवंटन प्रारंभिक रूप से 02 वर्ष 06 माह (ढाई वर्ष) की अवधि के लिए किया जाएगा।
6. निर्लासंते देयार्थ पूर्ण होने के पश्चात दुकान का नवीनीकरण 25 प्रतिशत किराया वृद्धि के साथ किया जा सगे। गां नवीनीकरण नहीं करने की स्थिति में निर्धारित अवधि पूर्ण होने पर दुकान खाली करना अनिवार्य होगा।
7. सफल बोलीदाता को दुकान का 01 वर्ष का किराया नीलामी के तत्काल पश्चात जमा करना अनिवार्य होगा। एवं सफल बोली वाले को ग्राम पंचायत द्वारा अनुवंधित किया जाएगा।
8. आवंटित दुकानदार को दुकान का विद्युत बिल प्रतिमाह स्वयं जमा करना होगा।
9. दुकान की पूर्ण देखरेख एवं रखरखाव की जिम्मेदारी आवंटित दुकानदार की स्वयं की रहेगी। दुकान में किसी भी प्रकार की टूट-फुट अथवा क्षति होने पर उसकी भरपाई दुकानदार को स्वयं करनी होगी, अन्यथा नियमानुसार हर्जाना वसूल किया जाएगा।
10. जिस व्यक्ति के नाम से दुकान आवंटित होगी, वह स्वयं संचालित करेगा एवं किसी अन्य को किराए से नहीं दे सकेगा।

अत: ग्राम पंचायत लेबड़ के समस्त इच्छुक निवासी निर्धारित दिनांक एवं समय पर उपस्थित होकर नलामी प्रक्रिया में भाग ले सकते हैं।

नीलामी दिनांक: 03 दिसंबर 2026, गुरूवार
समय: प्रात: 11:00 बजे
स्थान: ग्राम पंचायत कार्यालय, लेबड़

आज्ञा से
मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ)
जनपद पंचायत धार, जिला धार (म.प्र.)

जमीन की समस्या होगी दूर; उद्योगों को मिलेंगी आधुनिक सुविधाएं

सीएम का ऐलान-देवास में बनेगा औद्योगिक विकास का नया कॉरिडोर

मृदुभाषी। देवास



मध्यप्रदेश में औद्योगिक विकास को नई रफ्तार देने की तैयारी है। जबलपुर से देवास होते हुए इंदौर और उज्जैन तक औद्योगिक कॉरिडोर विकसित किया जाएगा। इससे देवास में उद्योगों के विस्तार के लिए जमीन की कमी दूर होने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के तहत आयोजित उद्यमी संवाद कार्यक्रम में यह घोषणा करते हुए कहा कि प्रदेश में निवेश के अनुकूल माहौल तैयार करना सरकार की प्राथमिकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देवास में औद्योगिक विकास की अपार संभावनाएं हैं। यहां 1100 से अधिक उद्योग संचालित हैं और स्थानीय उद्यमियों को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही है। औद्योगिक क्षेत्रों में बिजली, पानी और सड़क जैसी बुनियादी सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा। उद्यमियों के उत्पादों की गुणवत्ता और मानकों की जांच के लिए आधुनिक प्रयोगशाला स्थापित करने की दिशा में भी काम होगा। देवास के निकट देश का पहला डीप टेक रिसर्च पार्क विकसित किया जा रहा है, जिससे उद्योगों को आधुनिक तकनीक और अनुसंधान का लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि औद्योगिक पार्कों में अब आवासीय और व्यावसायिक गतिविधियों के प्रावधान भी किए जा रहे हैं। इससे फाइव स्टार होटल, व्यावसायिक प्रतिष्ठान और श्रमिकों के लिए आवास जैसी सुविधाएं विकसित हो सकेंगी। उन्होंने उद्यमियों को ई-कॉमर्स और डिजिटल माध्यमों से अपने उत्पाद राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंचाने के लिए भी प्रोत्साहित किया। संवाद के दौरान उद्यमियों ने जमीन, पानी, आधारभूत सुविधाओं और बैंक ऋण की प्रक्रिया से जुड़ी समस्याएं रखीं। अशोक खंडेलिया ने देवास के औद्योगिक महत्व और 1100 से अधिक उद्योगों का उल्लेख करते हुए सरकार के प्रयासों की सराहना की। विपिन जैन ने औद्योगिक इकाइयों के लिए जमीन और पानी की उपलब्धता का मुद्दा उठाया। अमरजीत सिंह खनूजा ने पुराने औद्योगिक क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं के उन्नयन की जरूरत बताई। मनीष ने कहा कि वे निमरानी में फूड प्रोसेसिंग प्लांट लगा रहे हैं और देवास में पानी की उचित व्यवस्था होने पर यहां भी इकाई स्थापित करना चाहेंगे। उन्होंने बैंक ऋण स्वीकृति की प्रक्रिया सरल बनाने का सुझाव दिया। दीपक लालवानी ने डेयरी उद्योग में पशु आहार की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए प्रयोगशाला स्थापित करने की मांग रखी। मुख्यमंत्री ने इस मामले में जांच कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। वहीं अनिल माहेश्वरी ने भूमि आवंटन की समस्याएं बताईं, जिस पर मुख्यमंत्री ने जिला उद्योग अधिकारी को एक सप्ताह के भीतर कार्रवाई कर समस्या का निराकरण सुनिश्चित करने को कहा।

यह भी रहे मौजूद

मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल, मुख्यमंत्री कार्यालय के सचिव डॉ. सुदाम खाड़े, सांसद महेंद्र सिंह सोलंकी, विधायक गायत्री राजे पवार, आशीष शर्मा, मनोज चौधरी, मुरली भंवरा और डॉ. राजेश सोनकर सहित बड़ी संख्या में उद्यमी मौजूद रहे।

बनारस लिट फेस्ट के 'वातायन' में साहित्य, कविताओं ने बांधा समां

मालवा और काशी के ऐतिहासिक सांस्कृतिक संबंधों पर परिचर्चा, कवि सम्मेलन एवं मुशायरे में देर रात तक गूंजती रहीं रचनाएं

मृदुभाषी। इंदौर



साहित्य, कला, संस्कृति और विचारों के संगम के रूप में बनारस लिट फेस्ट (काशी साहित्य कला एवं संस्कृति न्यास) एवं नवभारत निर्माण समिति, वाराणसी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'वातायन-इंदौर' कार्यक्रम शुक्रवार को साउथ तुकोगंज स्थित जाल सभागृह में संपन्न हुआ। 'नगर-नगर संस्कृति, शहर-शहर संवाद' की अवधारणा पर आयोजित इस कार्यक्रम में साहित्यिक प्रस्तुतियों, संगीत, सूफी गायन और कवि सम्मेलन ने श्रोताओं को देर रात तक बांधे रखा।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर सांसद शंकर लालवानी, पद्मश्री कालूराम बामणिया, वरिष्ठ रंगकर्मी संजय पटेल, उद्यमी हेमंत गट्टाणी, अशरफ कादरी, मदन मोहन दानिश एवं मीनाक्षी पुराणिक सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मालवा और काशी के सांस्कृतिक संबंधों पर आधारित गीत 'हर हर नर्मदे' का वीडियो भी लॉन्च किया गया, जिसे आश्वस्ति सक्सेना ने स्वर दिया है। साहित्यिक एवं संगीतमय प्रस्तुतियों में मुंबई से आए प्रसिद्ध गायक नानू गुर्जर और इंदौर की उभरती गायिका आश्वस्ति सक्सेना ने कविताओं की संगीतमय प्रस्तुतियां दीं। वहीं सूफी गायक अशरफ कादरी ने अपनी प्रस्तुति से समां बांधा। इसके बाद 'मालवा का काशी से ऐतिहासिक संबंध' विषय पर परिचर्चा आयोजित हुई। इसमें प्रसिद्ध शास्त्रीय गायिका शोभा चौधरी, डॉ. राहुल पवार, वरिष्ठ पत्रकार रमण रावल एवं संध्या रॉय चौधरी ने अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण कवि सम्मेलन सह मुशायरा रहा। इसमें मदन मोहन दानिश, महेंद्र सिंह सिकरवार 'समीर', नुसरत मेंहदी, शाहिद अंजुम, अमन अक्षर, श्लेष गौतम, शशिकांत यादव, सतलज राहत, दान बहादुर सिंह एवं प्रशांत सिंह ने अपनी रचनाओं से श्रोताओं की खूब दाद बटोरी। कवि सम्मेलन का संचालन अभिषेक तिवारी ने किया। समूचे कार्यक्रम का संचालन डॉ. कीर्ति गौड़ ने किया। अंत में बनारस लिट फेस्ट एवं नवभारत निर्माण समिति के सचिव ब्रजेश सिंह ने आभार व्यक्त किया।

विवाद के बाद उमा भारती की सफाई

'चुनावी टिकट तो केवल वैधानिक प्रक्रिया, मुझे टिकट देने की किसकी औकात'

मृदुभाषी। भोपाल



भारतीय जनता पार्टी की वरिष्ठ नेता और मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने आगामी लोकसभा चुनाव में टिकट को लेकर दिए अपने विवादित बयान पर सफाई दी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि ग्वालियर रेलवे स्टेशन पर दिया गया उनका बयान किसी अहंकार का प्रदर्शन नहीं था, बल्कि उनकी राजनीतिक यात्रा का सच था। उमा भारती के अनुसार, पार्टी ने उन्हें कभी सीधे टिकट नहीं दिया, बल्कि हर बार चुनाव लड़ने के लिए राजी किया, और किसी भी नेता को जिम्मेदारी उसकी योग्यता, जनसेवा और संगठन में योगदान के आधार पर मिलती है।

वृंदावन से भोपाल लौटते समय ग्वालियर रेलवे स्टेशन पर पत्रकारों ने जब उनसे 2029 के लोकसभा चुनाव में टिकट मिलने को लेकर सवाल पूछा था, तो उन्होंने कहा था कि उन्हें टिकट देने की किसकी औकात है और वह चुनाव लड़ने का फैसला स्वयं करती हैं। इस बयान पर राजनीतिक हलकों और सोशल मीडिया पर चर्चाएं तेज होने के बाद उमा भारती ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर पोस्ट लिखकर स्थिति स्पष्ट की। उन्होंने बताया कि पत्रकार के सवाल के जवाब में उनके मुंह से स्वाभाविक रूप से यह बात निकल गई थी और उन्होंने नहीं सोचा था कि इस पर इतना बड़ा विवाद खड़ा हो जाएगा। पूर्व मुख्यमंत्री ने अपनी पोस्ट में प्रधानमंत्री समेत कई बड़े नेताओं का जिक्र करते हुए कहा कि सामान्य परिवारों से आए कई नेता जनसेवा और संगठनात्मक काम के दम पर शीर्ष तक पहुंचे हैं। उनके मुताबिक, भाजपा में योग्यता, संगठन और जनता के प्रति उपयोगिता के आधार पर जिम्मेदारी तय होती है, जनता व कार्यकर्ताओं की स्वीकार्यता के बाद चुनाव लड़ने का जिम्मा मिलता है, और चुनावी टिकट चुनाव आयोग के नियमों को पूरा करने की एक वैधानिक प्रक्रिया मात्र है। उमा भारती ने शराबबंदी के मुद्दे पर भी अपना दृष्टिकोण साझा किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में शराबबंदी को लेकर नीति बन चुकी है, लेकिन इसकी सफलता के लिए पुलिस प्रशासन के साथ-साथ जनप्रतिनिधियों की सजगता अत्यंत आवश्यक है।

रीवा में कांग्रेस-बीजेपी के बीच छिड़ी श्रेय लेने की होड़, नेताओं ने शायराना अंदाज में कसा तंज

एक ही दिन, एक प्लांट के दो उद्घाटन!

मृदुभाषी। रीवा





शहर में करीब 20 करोड़ रुपये की लागत से तैयार 37 एमएलडी क्षमता वाले वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट का शुक्रवार को दो बार लोकार्पण हुआ। अमृत 2.0 जलप्रदाय योजना के तहत बने इस प्लांट का पहले कांग्रेस के महापौर अजय मिश्रा ने दोपहर में फीता काटकर उद्घाटन किया। इसके बाद शाम को उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल भी पहुंचे और उन्होंने भी विधिवत लोकार्पण कर दिया। एक ही दिन में एक ही परियोजना के दो उद्घाटन ने शहर की राजनीति में नई चर्चा छेड़ दी। दरअसल, प्लांट का उद्घाटन शाम को उपमुख्यमंत्री द्वारा किया जाना प्रस्तावित था, लेकिन इससे पहले ही महापौर ने एमआईसी सदस्यों और कांग्रेस पार्षदों की मौजूदगी में कार्यक्रम कर दिया। महापौर अजय मिश्रा ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि नगर निगम के काम का लोकार्पण दूसरे जनप्रतिनिधि क्यों कर रहे हैं? उन्होंने उपमुख्यमंत्री पर स्वास्थ्य विभाग के बजाय नगर निगम के कार्यों में अधिक रुचि लेने का तंज भी कसा। महापौर ने आरोप लगाया कि यह सब सस्ती लोकप्रियता हासिल करने के लिए किया जा रहा है। उधर, शाम को उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने भी प्लांट का लोकार्पण किया। कार्यक्रम में नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय वर्चुअली शामिल हुए। उन्होंने शायराना अंदाज में कहा कि काजल की कोठरी में रहना अलग बात है और उससे बेदाग निकलना अलग बात है। उनके इस बयान को घटनाक्रम से जोड़कर देखा गया। वहीं, उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा कि कम से कम इस बहाने काम करने का कल्चर सभी के अंदर दोगुना हो रहा है, जिसकी उन्हें खुशी है। उन्होंने तंज भरे अंदाज में कहा, 'तमाशा करने वालों को क्या पता, कितने तूफानों को पार करने के बाद हमने दिया जलाया है।' करीब 20 करोड़ रुपये की लागत से तैयार इस 37 एमएलडी क्षमता वाले प्लांट के दो बार उद्घाटन का मामला अब शहर में चर्चा का विषय बन गया है। विकास कार्यों के लोकार्पण को लेकर कांग्रेस और भाजपा के बीच सामने आई यह खींचतान राजनीतिक श्रेय की लड़ाई के रूप में देखी जा रही है। कार्यक्रम में नगर निगम अध्यक्ष व्यंकटेश पांडेय सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

40 साल पुरानी कॉलोनी का आखिरी घर भी टूटा

मृदुभाषी। भोपाल



ऐशबाग की जनता क्वार्टर कॉलोनी में अब 40 साल पुरानी ईडब्ल्यूएस आवास योजना का एक भी मकान नहीं बचा है। शुक्रवार सुबह हाईकोर्ट से राहत की अवधि खत्म होने के बाद आखिरी बचे मकान को भी प्रशासन ने ढहा दिया। इससे पहले 23 नवंबर को 599 मकानों को तोड़ा गया था। इस तरह कॉलोनी के सभी 600 मकान जमींदोज हो चुके हैं। अब यहां पुनर्विकास की तैयारी है, लेकिन उससे पहले जमीन का हिसाब उलझ गया है। सरकारी रिकॉर्ड में कॉलोनी का रकबा 5.73 एकड़ दर्ज है, जबकि मौके पर हुए डिजिटल सर्वे में सिर्फ 4 एकड़ जमीन मिली है। यानी 1.73 एकड़ जमीन का अंतर सामने आया है। कॉलोनी के ब्लॉक नंबर 465 में एक मकान बचा हुआ था। इस पर अदालत से राहत मिली हुई थी। स्टे हटने के बाद शुक्रवार को प्रशासन ने मकान खाली कराकर उसे ध्वस्त कर दिया। संबंधित व्यक्ति के पास एक फ्लैट का वैध आवंटन था, जबकि तीन अन्य फ्लैट पर भी कब्जा बताया गया। अदालत ने उसे नया ठिकाना तलाशने के लिए सात दिन का समय दिया है। इस अवधि में उसे रैन बसेरे में ठहराने की व्यवस्था की जाएगी। अन्य प्रभावितों की तरह उसे भी कलेक्टर दर के आधार पर करीब 1,405 रुपये प्रतिमाह किराया दिया जाएगा। मकानों को हटाने के बाद अब हाउसिंग बोर्ड यहां नए सिरे से आवासीय प्रोजेक्ट तैयार करने में जुटा है। इसके लिए प्राथमिक परियोजना रिपोर्ट तैयार की जा रही है।

दिमाग-रीढ़ का पानी बताएगा मृत्यु का समय

भोपाल। किसी व्यक्ति की मौत कब हुई, इसका सटीक समय पता लगाना फॉरेंसिक जांच की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। कई बार शव मिलने और मौत होने के बीच काफी समय गुजर चुका होता है। ऐसे में मृत्यु का सही समय पता लगाने के लिए अब मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी में मौजूद एक खास द्रव मददगार साबित हो सकता है। एम्स भोपाल की एक नई रिसर्च में सामने आया है कि मस्तिष्क-रीढ़ के इस द्रव में होने वाले बदलावों से मौत के बाद बीते समय का अनुमान लगाया जा सकता है। एम्स भोपाल की स्नातकोत्तर छात्रा डॉ. पुष्पांजलि टी. ने इस विषय पर शोध किया है। उनके अध्ययन को राष्ट्रीय स्तर की शोध प्रतियोगिता में सम्मानित किया गया है।

कैंसर के क्षेत्र में आयुर्वेद चिकित्सा के योगदान को मिली पहचान

डॉ. अखलेश भार्गव को मिला मध्यप्रदेश सेवा अलंकरण

मृदुभाषी। इंदौर



कैंसर के क्षेत्र में आयुर्वेद चिकित्सा के माध्यम से मरीजों को राहत पहुंचाने और कैंसर के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए डॉ. अखलेश भार्गव को मध्यप्रदेश सेवा अलंकरण सम्मान से सम्मानित किया गया। शुक्रवार को प्रीतम लाल दुआ सभागृह में आयोजित कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली के राष्ट्रीय संयोजक ए. विनोद ने उन्हें सम्मान प्रदान किया। यह आयोजन शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास और अक्षर सामाजिक सेवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में किया गया।

डॉ. भार्गव शल्य तंत्र विभाग के अध्यक्ष एवं कैंसर यूनिट के संचालक हैं। वे पिछले कई वर्षों से कैंसर मरीजों को आयुर्वेद पद्धति से उपचार संबंधी सेवाएं दे रहे हैं। इसके साथ ही भारत सरकार के कारुण्य प्रोजेक्ट और स्तन कैंसर जागरूकता प्रोजेक्ट में नोडल अधिकारी के रूप में भी अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं। अस्पताल में ओजोन थेरेपी के माध्यम से भी सैकड़ों मरीजों को लाभ पहुंचाने का दावा किया गया है। डॉ. भार्गव ने बताया कि अष्टांग आयुर्वेद हॉस्पिटल की कैंसर यूनिट में देशभर से मरीज उपचार के लिए पहुंचते हैं। उन्होंने कहा कि यह सम्मान केवल उनका व्यक्तिगत सम्मान नहीं, बल्कि संपूर्ण आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति का सम्मान है। इसके लिए उन्होंने भारत सरकार और मध्यप्रदेश सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया।



सम्पादकीय

सुनिश्चित हो महिलाओं की सुरक्षा-भरोसा

यह एक वैश्विक आंकड़ा है कि दुनिया में हर एक घंटे में पांच महिलाओं या लड़कियों की हत्या उनके जीवन साथी या परिवार के अन्य सदस्यों द्वारा कर दी जाती है। वर्ष 2025 की यूएन वूमेन- यूएनओडीसी रिपोर्ट का यह चौंकाने वाला खुलासा, हमारा सामना एक कठोर यथार्थ से कराता है। यह सत्य कि दुनिया में लाखों महिलाओं की जान के लिये सबसे बड़ा खतरा अनजान लोगों से नहीं, बल्कि उन लोगों से है, जिनके साथ वे पारिवारिक संस्था के भीतर रहती हैं। जिन पर अपनी सुरक्षा को लेकर भरोसा करती हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि बीते वर्ष दुनिया भर में इरादतन मारी गई करीब 78 हजार महिलाओं व लड़कियों में से 47 हजार की हत्या उनके पार्टनर या रिश्तेदारों ने की। यह दुखद ही है कि जो घर महिलाओं के लिये सबसे ज्यादा सुरक्षित स्थान माना जाता है, वही आज उसके लिये खतरनाक जगह बन रही है। हालांकि, भारत में ऐसी भयावह स्थिति नहीं है,लेकिन आंकड़े कुछ चिंताजनक संकेत जरूर दे रहे हैं। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे-5 के अनुसार देश में 18 से 49 आयुवर्ग वाली 29 फीसदी विवाहित महिलाओं ने अपने पति द्वारा की जाने वाली हिंसा का त्रास झेला। वहीं यूएन वुमेन के आंकड़े बताते हैं कि शारीरिक या यौन हिंसा की शिकार महिलाओं में सिर्फ 14 फीसदी ने ही मदद की गुहार लगायी। उससे ज्यादा चिंताजनक यह कि इसमें सिर्फ 5.6 फीसदी महिलाओं ने ही मदद हेतु पुलिस से संपर्क किया। दरअसल, परंपरागत भारतीय घरों में महिलाओं की प्राथमिकता परिवार बचाना होती है। सामाजिक बदनामी, आर्थिक असुरक्षा, बदले की कार्रवाई का डर और शादी को टूटने से बचाने के भय के चलते महिलाएं चुप रहने को बाध्य हो जाती हैं। इसके बावजूद हिंसा की रिपोर्ट न करने के पीछे की हिचकिचाहट को हिंसा न होने का संकेत नहीं मान लिया जाना चाहिए।

इसमें दो राय नहीं है कि घरेलू हिंसा रोकने, पति और रिश्तेदारों द्वारा क्रूरता और दहेज से जुड़े दुर्व्यवहार पर लगाम के लिये देश में पर्याप्त कानून हैं। लेकिन जब तक इन कानूनों को सख्ती से लागू नहीं किया जाता, तब तक ये कानून महिलाओं को पर्याप्त सुरक्षा प्रदान नहीं कर सकते। इस तरह के मामलों में मायके वालों से भी संवेदनशील और सतर्क व्यवहार अपेक्षित है। वास्तव में पुलिस को बार-बार मिलने वाली शिकायतों व धमकियों और दबाव डालने वाले व्यवहार को केवल सामान्य पारिवारिक झगड़े के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। सही मायने में इसे गंभीर चेतावनी संकेत के रूप में देखा जाना चाहिए। प्रोटेक्शन ऑर्डर को कायदे से लागू किया जाना जरूरी है। इसके अलावा परिवार की संस्था के भीतर सुरक्षित महसूस न करने वाली महिलाओं के लिये वैकल्पिक आश्रय स्थल की भी व्यवस्था होनी चाहिए। उनके लिये सहजता से कानूनी मदद का प्रावधान होना आवश्यक है। किसी मानसिक आघात से उबरने के लिये काउंसलिंग और तात्कालिक आर्थिक सहायता भी सुनिश्चित की जानी चाहिए। जिससे वे बिना किसी आर्थिक तंगी के या बेसहारा हुए, हिंसक रिश्तों से बाहर निकल सकें। यानी सम्मानपूर्वक जीवन यापन कर सकें। वास्तव में प्राथमिकता होनी चाहिए कि किसी महिला के जीवन का अंत न हो। वहीं परिवारों, समुदायों और संस्थाओं को हिंसा को सामान्य बात मानना बंद करना होगा। दूसरी ओर महिलाओं पर चुप रहने के लिये दबाव डालना भी बंद करना होगा। निस्संदेह, पुलिस, स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं और सहायता प्रदान करने वाली एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल से किसी भी महिला के जीवन पर आसन्न संकट को जानलेवा बनने से पहले ही पहचाना जा सकता है। सही मायने में किसी भी महिला का सुरक्षा अधिकार इस बात का मोहताज नहीं होना चाहिए कि उसके पास किसी हिंसक घर से बाहर निकलने की हिम्मत नहीं है।

नेपाल से जुड़े विवादित मुद्दों को टाल पाया भारत

पुष्परंजन

बालेन्द्र शाह की दिल्ली यात्रा कितनी सफल रही, इसका वास्तविक परीक्षण मार्च, 2027 में होने वाले स्थानीय चुनावों में होगा। वर्ष 2022 में स्थापित आरएसपी अपेक्षाकृत नई पार्टी है। 9 मार्च, 2026 को स्वतःस्फूर्त रूप से हुए आम चुनाव में बालेन्द्र-लामिछाने की पार्टी की जीत को महज भावनात्मक उबाल मानिए। लोग अपने पूर्ववर्ती प्रधानमंत्रियों की कारगुजारियों से पक चुके थे। रैपर से राजनेता बने बालेन्द्र शाह को नेपाली जनमानस ने जमीन से जुड़ा जुझारू नेतृत्वकर्ता माना था। लेकिन अब जब आम नेपाली उन्हें गोल्फ खेलते देखता है तो ठगा-सा महसूस करता है।

नेपाल में गोल्फ राजाओं का खेल रहा है। इसकी शुरुआत और विकास राणा शासकों तथा शाही परिवार के संरक्षण में हुआ था, जिसके कारण लंबे समय तक इसे राजाओं और कुलीनों का खेल माना जाता रहा। कम्युनिस्ट प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली भी गोल्फ खेलने लगे थे। ओली को अक्तूबर, 2026 में दशहरे की छुट्टियों के दौरान काठमांडू के गोकर्ण फॉरेस्ट रिसॉर्ट में गोल्फ खेलते हुए देखा गया था। पांच महीने बाद ओली जनता के हाथों नप गए। 6 नवंबर, 2026 को रोजा लक्ज़मबर्ग फाउंडेशन की एक रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि बालेन्द्र सरकार के कामकाज को लेकर युवाओं के बीच कुछ हद तक निराशा और थकान देखी जा रही है। ये युवा अब बालेन्द्र की कार्यशैली को बर्दाश्त नहीं कर रहे हैं। गत 10 अक्तूबर, 2026 को प्रकाशित रिपोर्टों के अनुसार, नेपाली कांग्रेस जैसी पारंपरिक पार्टियां अपने खोए हुए मतदाताओं को वापस लाने के लिए संगठनात्मक बदलाव और महाधिवेशन कर रही हैं। मधेशी नेता और वामपंथी भी आपसी मतभेद भुलाकर घर वापसी के वास्ते मशक्कत कर रहे हैं। दिल्ली में क्या हुआ,



इसकी जिज्ञासा नेपाल में उन लोगों को ज्यादा है, जो नेपाल फर्स्ट वाले राष्ट्रवादी मूड में हैं। सोमवार को हैदराबाद हाउस में प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह और उनके भारतीय समकक्ष नरेंद्र मोदी के बीच प्रस्तावित बैठक 30 मिनट तक चलने वाली थी। लेकिन यह बैठक काफी लंबी चली और करीब डेढ़ घंटे तक जारी रही। उस दौरान बाकी अधिकारियों को दूर रखा गया। जाहिर है, राजनयिक यही बताते हैं कि दोनों शासन प्रमुखों ने नेपाल-भारत संबंधों से जुड़े कई अहम मुद्दों पर चर्चा की। मत भूलिए, नरेंद्र मोदी और बालेन्द्र शाह एक ही वंचित समुदाय से आते हैं। ऐसे में दोनों नेताओं के बीच निजी संबंध प्रगाढ़ होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

लेकिन प्रधानमंत्री मोदी दक्षिण एशियाई कूटनीति के बड़े खिलाड़ी हैं। उन्होंने भारत-नेपाल के बीच विवादास्पद मुद्दों को दरकिनार करने पर अपने समकक्ष को राजी कराया। यही दिल्ली बैठक की सबसे बड़ी सफलता है। दोनों प्रधानमंत्रियों के बीच बातचीत इतनी लंबी चली कि प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता के लिए निर्धारित समय निकल गया। अंततः उस वार्ता को रद्द कर दिया गया। नेपाल में 'लियो-लियो, पायो-पायो' (ले लिया-पा लिया) के नारे मुख्य रूप से रथ यात्राओं, पारंपरिक उत्सवों और सामुदायिक खेलों के दौरान उत्साह तथा सामूहिक शक्ति बढ़ाने के लिए लगाए जाते हैं। राजनीति में भी कुछ इसी भाव से सत्ता समर्थक अति उत्साह में 'लियो-लियो, पायो-पायो' करने लगे हैं। लेकिन अभी बहुत से जटिल मुद्दों को सुलझाना बाकी है। काठमांडू-भैरहवा-लखनऊ के बीच जिस दोतरफा हवाई मार्ग पर सहमति बनी है, उस पर भी अभी तकनीकी चर्चा होनी है, खासकर भारतीय हवाई क्षेत्र में उड़ानों की ऊंचाई को लेकर।

दोनों देश नागरिक उड्डयन के लिए हवाई क्षेत्रों के इस्तेमाल के दौरान सैन्य ठिकानों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के वास्ते किन-किन उपायों पर काम करेंगे? अभी सब कुछ अंधेरे में है। जब तक इस संबंध में आधिकारिक बयान नहीं आ जाता, फेसबुकिया तुक्केबाजी जोखिम भरा काम है। गोरखपुर और बागडोगरा दोनों ही रणनीतिक रूप से अहम रक्षा केंद्र हैं, जहां मुख्य रूप से भारतीय वायुसेना के स्टेशन और आसपास भारतीय सेना की सैन्य इकाइयां तथा सुविधाएं मौजूद हैं। ध्यान रहे कि भैरहवा हवाई अड्डे का निर्माण चीन की एक सरकारी कंपनी (नॉर्थवेस्ट सिविल एविएशन एयरपोर्ट कंस्ट्रक्शन ग्रुप) द्वारा किया गया है। इस हवाई अड्डे का रखरखाव अब भी चीन के जिम्मे है। यह हवाई अड्डा भारत-नेपाल सीमा (उत्तर प्रदेश के सोनौली बॉर्डर) से मात्र पांच किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। इतनी कम दूरी होने के कारण अंतर्राष्ट्रीय विमानों के उतरने और उड़ान भरने के लिए भारतीय हवाई क्षेत्र का उपयोग अनिवार्य हो जाता है, जो संवेदनशील सीमावर्ती इलाकों के ऊपर से गुजरता है।

धर्म-ज्योतिष

माहिर होते हैं इन मूलांकों के बच्चे, गणित में रहते हैं सबसे आगे

अंक ज्योतिष के अनुसार किसी भी जन्म तिथि में जन्में लोगों का एक खास मूलांक होता है और यह अपनी अलग खूबियां व खामियां के लिए जाने जाते है। माना जाता है कि जन्मतिथि से निकलने वाला मूलांक और उसके स्वामी ग्रह के प्रभाव से ही किसी व्यक्ति का स्वभाव पता चल जाता है। जिन लोगों का जन्म किसी भी महीने के 1, 10, 19 या 28 तारीख को हुआ है, मूलांक 1 होता है। इस मूलांक के स्वामी सूर्य देव होते हैं और इसी कारण से इस मूलांक के बच्चे शुरुआत से ही पैदायशी लीडर होते हैं। इन बच्चों में आत्मविश्वास कूट-कूटकर भरा होता है और यह स्टडी के मामले में भी होशियार होते हैं। किसी महीने की 5, 14 या 23 तारीख को जन्मे हुए लोगों का मूलांक 5 मना जाता है। इस मूलांक के स्वामी बुध देव हैं और उन्हीं के प्रभाव से ये बच्चे बुद्धि, वाणी भी तेज होती है। इन लोगों की तर्क क्षमता काफी तेज होती है। जब बात पढ़ाई की आती हैं, तो ये लोग उसमें में भी सबसे आगे रहते हैं। 5 मूलांक के बच्चों को गणित में तेज होता है। यह लोग बड़ी प्रॉब्लम से जल्दी ही सुलझा देते हैं।



समसामयिक

नगीना बनने को पसीना बहाते हर्ष संघवी

गुजरात को भाजपा की राजनीति की मुख्य प्रयोगशाला कहा जाता है। अक्सर यह भी दोहराया जाता रहा है कि देश में गुजरात मॉडल पर ही काम किया जा रहा है। यह भी कहा जाता है कि देश को गुजरात की धरा में उपजी राजनीति ही संचालित कर रही है।

ऐसा इसलिए भी है, क्योंकि वर्तमान में राजग सरकार में प्रधानमंत्री और गृहमंत्री जैसे महत्वपूर्ण पदों पर इसी राज्य के सशक्त प्रतिनिधि विराजमान हैं। लेकिन यदि 2014 के बाद गुजरात के राजनीतिक परिदृश्य पर नजर डालें तो एक बात जरूर सामने आती है कि केंद्र में भाजपा की सत्ता आने के बाद राज्य में कोई ऐसा नेता नहीं उभरा, जो लंबी पारी खेलने वाले पूर्ववर्ती मुख्यमंत्री जैसी स्वतंत्र पहचान बना सका हो। यूं भी देश का नेतृत्व संभाल रहे दिग्गजों का कद इतना बड़ा है और उनकी राजनीतिक दृष्टि इतनी प्रखर और मुखर है कि कोई उनका मुकाबला कर ही नहीं सकता। यही वजह है कि वर्ष 2014 के बाद राज्य की



बागडोर थामने वाले किसी भी मुख्यमंत्री की राष्ट्रीय पहचान नहीं बन पाई है।

लेकिन यदि गुजरात के मौजूदा राजनीतिक परिदृश्य पर नजर डालें तो इन दिनों मुख्यमंत्री के मुकाबले उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी ज्यादा सुर्खियों में नजर आते हैं। आकर्षक व्यक्तित्व के धनी हर्ष को पार्टी हाईकमान का सबल वरदहस्त प्राप्त है। कभी वे राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में विदेशी मेहमानों के साथ नजर आते हैं। दूसरी ओर, विदेशों में होने वाले आयोजनों में गुजरात का प्रतिनिधित्व करते दिखाई देते हैं। कभी जापान में संपन्न एशियाई खेलों में खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाते दिखते हैं, तो कभी विदेशी शरणार्थियों को भारतीय नागरिकता के दस्तावेज बांटते नजर आते हैं। उन्हें पिछले साल राज्य में सरकार बनने के तीन साल बाद सभी मंत्रियों से इस्तीफा दिलाकर गठित की गई नई टीम में अचानक उपमुख्यमंत्री का दायित्व सौंप दिया गया। सिर्फ चालीस साल की उम्र में उपमुख्यमंत्री बनने वाले वे राज्य के पहले राजनेता हैं। संघवी ने जब भाजपा में राजनीतिक सक्रियता शुरू की, तब वे महज पंद्रह साल के थे। प्रशासनिक कामकाज से इतर संघवी विदेशी मेहमानों, देश के शीर्ष कारोबारियों तथा राष्ट्रीय खिलाड़ियों के साथ संवाद करते नजर आते हैं। संघवी का ताल्लुक एक हीरा कारोबारी परिवार से है। राजनीतिक पंडित कयास लगा रहे हैं कि भाजपा को निकट भविष्य में राज्य की बागडोर थामने वाला हीरा मिल गया है। हर्ष संघवी छात्र जीवन से ही राजनीति में पदार्पण कर चुके थे। संघवी वर्ष 2008 में भारतीय जनता पार्टी के युवा मोर्चे के प्रदेश महासचिव नियुक्त किए गए।

व्यापार

सोने-चांदी में लगातार दूसरे दिन उछाल, 1.26 लाख

नई दिल्ली। सोने-चांदी के दाम में लगातार दूसरे दिन तेजी दर्ज की गई है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के मुताबिक, आज 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 3,658 रुपए चढ़कर 1.26 लाख रुपए के पार पहुंच गया, जबकि गुरुवार को यह 1.23 लाख रुपए पर था। वहीं, एक किलो चांदी 6,953 रुपए बढ़कर 1.54 लाख रुपए पर पहुंच गई, जो गुरुवार को 1.47 लाख रुपए के स्तर पर थी। आंकड़ों के अनुसार, बीते दो दिनों में सोना 5,261 रुपए और चांदी 11,355 रुपए महंगी हुई है। बाजार के जानकारों के अनुसार, 25 नवंबर को सोना गिरकर 1.21 लाख रुपए और चांदी 1.43 लाख रुपए पर आ गई थी, जिसके बाद निवेशक निचले भाव का फायदा उठाकर खरीदारी कर रहे हैं। इसके अलावा देश में चल रहे शादी-ब्याह के सीजन के कारण ज्वेलरी और चांदी की मांग बनी हुई है, साथ ही अमेरिकी डॉलर की चाल और ग्लोबल मार्केट के बदलते संकेतों से विदेशी बाजारों में दाम संभलने का असर घरेलू कीमतों पर भी पड़ा है। अलग-अलग शहरों और राज्यों में कीमतों में अंतर के पीछे ट्रांसपोर्टेशन और सिक्योरिटी खर्च, दक्षिण भारत में करीब 40 प्रतिशत हिस्सेदारी वाली ऊंची खपत और खरीदारी की मात्रा, लोकल ज्वेलरी एसोसिएशन द्वारा स्थानीय मांग-सप्लाई के आधार पर तय दरें तथा ज्वेलर्स के पुराने स्टॉक और खरीद मूल्य जैसे कारक भी निभाते हैं।

बॉम्बे हाईकोर्ट से टाटा ट्रस्ट्स को झटका टाटा संस बोर्ड बैठक को मिली हरी झंडी

मृदुभाषी। नई दिल्ली

टाटा ग्रुप के शीर्ष स्तर पर छिड़ा कानूनी और प्रशासनिक विवाद अब बॉम्बे हाईकोर्ट पहुंच गया है, जहां शुक्रवार को जस्टिस अभय आहूजा की एकल पीठ ने टाटा संस के कार्यकारी चेयरमैन एन चंद्रशेखरन की तीसरे पांच-वर्षीय कार्यकाल के लिए पुनर्नियुक्ति को चुनौती देने वाले दो प्रमुख ट्रस्ट्स को तत्काल अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया।

अदालत ने स्पष्ट किया कि टाटा संस की 30 नवंबर को प्रस्तावित अहम बोर्ड बैठक तय कार्यक्रम के अनुसार हो सकती



है, हालांकि इसमें लिया गया कोई भी फैसला या परिणाम अदालत के अंतिम आदेशों के अधीन रहेगा। टाटा संस में बहुलांश हिस्सेदारी रखने वाले सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट (SDTT) और आरडी टाटा ट्रस्ट (RDTT) ने गुरुवार को टाटा संस और उसके छह निदेशकों के खिलाफ अलग-अलग मुकदमे दायर किए थे, जिनमें 17 सितंबर के उस बोर्ड प्रस्ताव को अवैध ठहराने की मांग की गई है जिसके जरिए एन चंद्रशेखरन को तीसरे कार्यकाल के लिए कार्यकारी चेयरमैन चुना गया था। मुकदमों में आरोप लगाया गया है कि यह प्रस्ताव कंपनी के आर्टिकल्स ऑफ एसोसिएशन (AoA) के आर्टिकल 121 के तहत जरूरी सकारात्मक वोट के बिना पारित होने के कारण अमान्य है। ट्रस्ट्स ने 30 नवंबर की बैठक को टालने या रोकने के साथ-साथ यह भी मांग की थी कि चंद्रशेखरन को कार्यकारी चेयरमैन के तौर पर मतदान न करने दिया जाए और राय विभाजित होने की स्थिति में उन्हें कास्टिंग वोट का इस्तेमाल करने से रोका जाए। मुकदमों में कानूनी चुनौती के साथ वित्तीय मुआवजे का भी बड़ा दावा किया गया है, जिसके तहत सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट ने 50 करोड़ रुपये और आरडी टाटा ट्रस्ट ने 15 करोड़ रुपये के हर्जाने की मांग रखी है, साथ ही दोनों ट्रस्ट्स ने इन दावों पर 18 प्रतिशत वार्षिक ब्याज भी मांगा है। शुक्रवार की सुनवाई में दोनों पक्षों के वरिष्ठ वकीलों के बीच तीखी बहस हुई, जहां टाटा संस की ओर से वरिष्ठ वकील हरीश साल्वे ने बैठक टालने का कड़ा विरोध करते हुए कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने अनिवार्य लिस्टिंग नियमों के पालन को लेकर अपना निर्णय बताने के लिए 12 दिसंबर की समय-सीमा तय की है, इसलिए 30 नवंबर की बैठक बेहद जरूरी है और इसके प्रस्ताव अदालत के अंतिम आदेशों के अधीन रहेंगे। इसके जवाब में सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट का पक्ष रख रहे वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने इस दलील को खारिज करते हुए आरोप लगाया कि आरबीआई का निर्देश केवल एक बहाना है, जिसका इस्तेमाल टाटा संस बैठक बुलाने की फर्जी तात्कालिकता दिखाने के लिए कर रहा है।

नकदी दबाव के बीच आरबीआई की राहत

न्यूनतम दैनिक सीआरआर मेंटेनेंस घटाकर 90% किया

नई दिल्ली। बैंकिंग प्रणाली में सरप्लस लिक्विडिटी में आई तेज गिरावट और बढ़ते दबाव के बीच भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने वाणिज्यिक बैंकों को राहत देते हुए न्यूनतम दैनिक कैश रिजर्व रेशियो (CRR) मेंटेनेंस की अनिवार्यता को 99 प्रतिशत से घटाकर वापस 90 प्रतिशत करने का फैसला किया है। यह व्यवस्था 1 दिसंबर 2026 से शुरू होने वाले पखवाड़े से लागू होगी और ऐसे समय में आई है जब बैंकिंग प्रणाली की तरलता पिछले पांच महीनों में पहली बार घाटे में पहुंची है। सीआरआर कुल जमा का वह तय हिस्सा है जिसे वाणिज्यिक बैंकों को रिजर्व बैंक के पास नकद रूप में सुरक्षित रखना होता है, जिस पर बैंकों



को कोई ब्याज नहीं मिलता और फिलहाल यह अनुपात कुल जमा का 3 प्रतिशत है। नियम के तहत पखवाड़े के औसत सीआरआर के साथ हर दिन एक न्यूनतम प्रतिशत बनाए रखना जरूरी होता है, जिसे अब 90 प्रतिशत तय किया गया है। रिजर्व बैंक ने अपनी अधिसूचना में कहा है कि वर्तमान और विकसित हो रही व्यापक आर्थिक स्थिति तथा लिक्विडिटी की परिस्थितियों के मूल्यांकन के आधार पर न्यूनतम दैनिक सीआरआर रखरखाव को 99 प्रतिशत से घटाकर 90 प्रतिशत करने का निर्णय लिया गया है। यह कदम बैंकिंग तंत्र में बने तात्कालिक नकदी दबाव के बीच आया है, जहां पांच महीने बाद तरलता अधिशेष से बदलकर घाटे में चली गई है और इसके पीछे जीएसटी भुगतान के कारण बैंकिंग सिस्टम से हुई निकासी तथा रुपये की विनिमय दर को संभालने के लिए फॉरेक्स मार्केट में रिजर्व बैंक के हस्तक्षेप जैसी वजहें प्रमुख रहीं। इसी साल अक्टूबर में बैंकिंग प्रणाली में नकदी के भारी अधिशेष को देखते हुए केंद्रीय बैंक ने न्यूनतम दैनिक सीआरआर मेंटेनेंस को 90 प्रतिशत से बढ़ाकर 99 प्रतिशत किया था।

होर्मुज संकट के बीच आईओआरए सम्मेलन में समुद्री सुरक्षा पर जोर

अमेरिका ने दोहराई खुले जलमार्गों की अनिवार्यता

मृदुभाषी। नई दिल्ली

वैश्विक व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति के सबसे संवेदनशील समुद्री गलियारे होर्मुज जलडमरूमध्य में अमेरिका और ईरान के बीच बने युद्ध जैसे हालात के बीच समुद्री मार्गों की सुरक्षा को लेकर कूटनीतिक और आर्थिक हलचल तेज हो गई है।

नई दिल्ली में आयोजित इंडियन ओशन रिम एसोसिएशन (आईओआरए) के 25वें मंत्रिपरिषद सम्मेलन में भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने स्पष्ट किया कि वैश्विक व्यापार और समृद्धि को बनाए रखने के लिए समुद्री मार्गों का खुला रहना अनिवार्य है। भारत की 2025-2027 की आईओआरए अध्यक्षता के तहत हुई इस बैठक में अमेरिका ने नौवहन की स्वतंत्रता, समुद्री सुरक्षा, ऊर्जा, बुनियादी ढांचे



और महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्र में सहयोग मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराई। विश्व के सबसे अहम रणनीतिक चोकपॉइंट माने जाने वाले होर्मुज जलडमरूमध्य से समुद्री मार्ग के कुल वैश्विक तेल व्यापार का लगभग 20 से 25 प्रतिशत हिस्सा यानी करीब 2 करोड़ बैरल कच्चा तेल प्रतिदिन गुजरता है, साथ ही तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) और उर्वरकों की बड़ी खेप भी इसी रास्ते से अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंचती है। ईरान की सीमा सीधे इस जलडमरूमध्य से लगती है और वह स्वयं 23 सदस्यीय आईओआरए समूह का सदस्य भी है। जलमार्ग में सैन्य तनाव, समुद्री नाकेबंदी और बारूदी सुरंगों के खतरे से जहाजों के बीमा प्रीमियम और माल ढुलाई लागत में तीखा उछाल आया है, जबकि शिपमेंट में देरी से ऊर्जा की कीमतें बढ़ने और वैश्विक महंगाई गहराने का खतरा पैदा हो गया है। इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को सुचारू रखने के लिए हिंद महासागर क्षेत्र में नौवहन की स्वतंत्रता और समुद्री सुरक्षा बनाए रखने पर जोर दिया है। भारत की अध्यक्षता में आयोजित 25वीं आईओआरए बैठक 'इनोवेशन, ओपननेस, रेजिलिएंस एंड अडैप्टेबिलिटी इन द इंडियन ओशन रीजन' थीम पर केंद्रित रही, जिसमें भारत, ऑस्ट्रेलिया, ईरान, इंडोनेशिया, बांग्लादेश, मलेशिया, मालदीव, मॉरीशस, यूएई, दक्षिण अफ्रीका, सिंगापुर, श्रीलंका और थाईलैंड समेत 23 सदस्य देशों के साथ अमेरिका, चीन, यूरोपीय संघ, रूस, सऊदी अरब, जापान, ब्रिटेन, जर्मनी और तुर्किए जैसे 12 वार्ता साझेदार शामिल हुए। सम्मेलन के इतर अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने ऑस्ट्रेलिया के विशेष दूत टिम वाट्स से मुलाकात कर क्वॉड ढांचे के तहत सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की, वहीं मॉरीशस के विदेश मंत्री धनंजय रितीश रामफुल और मालदीव की विदेश मंत्री इरुथिशाम एडम के साथ बातचीत में हिंद महासागर में मैरीटाइम डोमेन अवेयरनेस और क्षेत्रीय सुरक्षा को मजबूत करने पर जोर दिया। विशेषज्ञों का मानना है कि जब तक इन समुद्री मार्गों पर सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित नहीं होता, तब तक ऊंची शिपिंग लागत, बढ़े हुए फ्रेट रेट्स और ऊर्जा कीमतों की अस्थिरता का सीधा असर वैश्विक विकास दर पर बना रहेगा।

लक्ष्य के मुकाबले महज 70 प्रतिशत क्षेत्र में ही बोवनी, गेहूँ के बजाए चने की बोवनी

कम बारिश ने बिगाड़ा रबी का गणित 50 हजार हे. में नहीं हो पाई बोवनी

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

धार। कम बारिश का असर अब खेतों में साफ दिखाई देने लगा है। मानसून की बेरुखी के बाद जलस्रोतों में पर्याप्त पानी नहीं बचा और खेतों की नमी भी खत्म होने लगी है। ऐसे में किसानों के सामने रबी सीजन की फसल बचाने और नई बोवनी करने का संकट खड़ा हो गया है। जिन खेतों में हर साल गेहूं की फसल लहलहाती थी, वहां इस बार पानी की कमी के चलते चने की बोवनी की जा रही है, जबकि कई किसानों ने जोखिम उठाने के बजाय खेत खाली छोड़ दिए हैं।

अल्पवर्षा ने इस बार खेती का पूरा गणित बदल दिया है। नवंबर का तीसरा सप्ताह बीतने के बाद भी जिले में करीब 50 हजार हेक्टेयर भूमि से अधिक पर बोवनी नहीं हो सकी है। अब तक कुल लक्ष्य के मुकाबले महज 70 प्रतिशत क्षेत्र में ही बोवनी हो पाई है। सबसे ज्यादा असर गेहूं के रकबे पर पड़ा है। सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी नहीं मिलने से किसानों ने गेहूं की बोवनी घटाकर चने को प्राथमिकता दी है। इसका असर केवल किसानों की आमदनी पर ही नहीं, बल्कि आने वाले समय में खाद्यान्न उत्पादन और पशुओं के लिए भूसे की उपलब्धता पर भी



पड़ सकता है।

गेहूं की जगह चने पर दांव, पानी की कमी बनी वजह

इस बार रबी सीजन में किसानों के फसल चयन का पैटर्न बदल गया है। गेहूं की तुलना में चने की बोवनी का रकबा अधिक हो गया है। जिले में अब तक 1 लाख 35 हजार 461 हेक्टेयर क्षेत्र में चने की बोवनी हो चुकी है। इसकी सबसे बड़ी वजह पानी की उपलब्धता है। गेहूं की फसल को बेहतर उत्पादन के लिए समय-समय पर सिंचाई की जरूरत होती है, जबकि चना अपेक्षाकृत कम पानी में भी तैयार हो जाता है। जिन किसानों के पास बोरिंग और ट्यूबवेल में पर्याप्त पानी नहीं है, उन्होंने गेहूं की जगह चने की बोवनी करना ज्यादा सुरक्षित समझा है। किसानों को आशंका है कि बीच सीजन में पानी खत्म हुआ तो गेहूं की फसल पूरी तरह प्रभावित हो सकती है।

गेहूं का रकबा घटा तो अनाज के साथ भूसे का भी संकट

गेहूं की बोवनी में आई कमी का असर केवल खाद्यान्न उत्पादन तक सीमित नहीं रहेगा। ग्रामीण क्षेत्रों में गेहूं की कटाई के बाद निकलने वाला भूसा पशुओं के चारे का प्रमुख स्रोत होता है। जिले में पहले से ही जलसंकट की स्थिति बनी हुई है। ऐसे में यदि गेहूं का रकबा और उत्पादन घटता है तो पशुपालकों के सामने भूसे की उपलब्धता का संकट भी खड़ा हो सकता है। किसानों के लिए एक तरफ फसल उत्पादन बचाना चुनौती है तो दूसरी तरफ पशुओं के चारे का इंतजाम करना भी मुश्किल होता जा रहा है।कृषि विभाग के अनुसार रबी सीजन की शुरूआत 15 अक्टूबर से होती है और बेहतर उत्पादन के लिए 15 नवंबर तक बोवनी पूरी हो जाना चाहिए। लेकिन इस बार बारिश की कमी और सिंचाई संकट के कारण किसान समय पर खेत तैयार नहीं कर पाए। 21 नवंबर तक जिले में 2 लाख 91 हजार 931 हेक्टेयर क्षेत्र में ही बोवनी हो सकी है, जबकि पिछले साल इसी सीजन में करीब 4 लाख 58 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में बोवनी हुई थी। इस बार कई क्षेत्रों में अब भी खेत खाली पड़े हैं। समय पर बोवनी नहीं होने से फसलों की बढ़वार और उत्पादन पर भी असर पड़ने की आशंका है।

निमाड़ में ज्यादा संकट, मालवा के कुछ क्षेत्रों में राहत

जिले के निमाड़ क्षेत्र में पानी की कमी को लेकर ज्यादा चिंता बनी हुई है। नर्मदा की माइक्रो सिंचाई परियोजना शुरू होने के बाद मालवा क्षेत्र के कुछ हिस्सों तक पानी पहुंचा है, लेकिन इससे सभी किसानों की जरूरतें पूरी नहीं हो पा रही हैं। धार, तिरला, बदनावर, पीथमपुर और नालछा के कुछ क्षेत्रों में किसानों ने बोरिंग और नलकूपों के सहारे पहले ही सिंचाई कर ली थी। यहां कई खेतों में एक से डेढ़ महीने की फसल तैयार हो चुकी है। इसके बावजूद जिले के बड़े हिस्से में पानी की कमी किसानों के लिए परेशानी बनी हुई है।

सड़क हादसे में 7 वर्षीय बच्चे ने तोड़ा दम

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

खरगोन। जिले के खण्डवा. बड़ौदा हाइवे पर घुघरियाखेड़ी में शुक्रवार सुबह एक तेज रफ्तार कार ने बाइक को अपनी चपेट में ले लिया। इस दर्दनाक हादसे में बाइक सवार 7 वर्षीय बालक कार्तिक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसके पिता राजेश और छोटा भाई 4 वर्षीय भाई विशाल गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने ग्रामीणों और एम्बुलेंस की मदद से घायलों को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया।

परिजनों से मिली जानकारी अनुसार राजेश पिता ध्यान सिंह अपने दो बालक कार्तिक और विशाल के साथ खरगोन से घुघरियाखेड़ी में एक विवाह समारोह में शामिल होने जा रहे थे। राजेश की पत्नि भुरी बाई ने बताया राजेश गोगावां जनपद के ग्राम राजबेड़ी निवासी होकर खरगोन में चौकीदारी का काम करते हैं। हमारे पांच बच्चे है। बड़ा बेटा कृष्णा, अनिल और बेटी काजल घर पर थे, जबकि पति राजेश बेटे कार्तिक व विशाल के साथ खुशी-खुशी घुघरियाखेड़ी विवाह में शामिल होने जा रहे थे। शादी में पहुंचने से पहले यह दुःखद घटना घट गई।

मारपीट कर हवाई फायर करने वाला आरोपी गिरफ्तार

शादी से मना करने पर दिया घटना का अंजाम



मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

डबरा (ग्वालियर)। छोटी पुत्री की शादी कराने से इनकार करने पर घर में घुसकर मारपीट, हवाई फायर और परिवार को जान से मारने की धमकी देने वाले आरोपी को डबरा सिटी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के अनुसार, लक्ष्मी कॉलोनी डबरा निवासी फरियादी टीकाराम बाथम ने 23 नवंबर की शाम हुई घटना को लेकर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया था कि उनकी पुत्री मुस्कान का देवर साहिल बाथम उनके घर आया था और बातचीत के दौरान छोटी पुत्री से शादी कराने की बात कहने लगा। मना करने पर आरोपी ने गाली-गलौज व हाथापाई की, जिससे फरियादी के बाएं हाथ में चोट आई। इसके बाद आरोपी ने कट्टे से हवाई फायर किया और शादी न कराने पर पूरे परिवार को खत्म करने की धमकी देते हुए भाग निकला। मामले में अपराध क्रमांक 706/26 के तहत बीएनएस की संबंधित धाराओं में प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी उप निरीक्षक संजय शर्मा के नेतृत्व में टीम ने मुखबिर की सूचना पर आरोपी साहिल उर्फ शिवम बाथम निवासी सिंध पुल, आसमानी ढाबा, झांसी हाईवे डबरा को हिरासत में लिया। पूछताछ में आरोपी ने वारदात स्वीकार की और बताया कि उसने कट्टा गैडोल रोड स्थित इमली नाका हाईवे के पास झाड़ियों में पत्थर के नीचे छिपाया है। पुलिस ने वहां से 315 बोर का कट्टा, एक जिंदा कारतूस और एक खाली खोखा जब्त कर मामले में आर्म्स एक्ट की धाराएं (25/27) बढ़ाई है।

दौड़, गोला, तवा फेंक में दिखाया दम

'खेलो खरगोन प्रतियोगिता 2026' आयोजित, 25 खिलाड़ी जिला स्तर के लिए चयनित

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

कसरावद। युवाओं में खेल भावना को बढ़ावा देने और ग्रामीण प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से शासकीय महाविद्यालय में 'खेलो खरगोन प्रतियोगिता' काा आयोजन किया गया। जनपद पंचायत के तत्वावधान में आयोजित इस प्रतियोगिता में क्षेत्र के खिलाड़ियों ने पूरे उत्साह और जोश के साथ भाग लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि श्रीमती अनु बाई तंवर अध्यक्ष, जिला पंचायत खरगोन के आतिथ्य में हुआ। इस अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में भीमसिंग भाई जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि, मोतीराम वर्मा, शक्तिसिंग मंडलोई जनपद सदस्य प्रतिनिधि एवं वीरेंद्र पाटीदार एवं



जिला स्तरीय खेल अधिकारी आशीष गुप्ता भी उपस्थित रहे। अतिथियों एवं अधिकारियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेलों से युवाओं का शारीरिक और मानसिक विकास होता है

इन 5 विधाओं में हुए रोमांचक मुकाबले

प्रतियोगिता के दौरान एथलेटिक्स की कुल 5 प्रमुख विधाओं में प्रतिभागियों ने अपना दमखम दिखाया। जिनमें 100 मीटर दौड़, 200 मीटर दौड़, गोला फेंक, तवा फेंक एवं लंबी कूद में प्रतिभागी शामिल हुए। प्रतियोगिता के समापन पर प्रत्येक इवेंट (विधा) में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शीर्ष 5-5 प्रतिभागियों का चयन जिला स्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया गया। इस प्रकार कुल 25 प्रतिभाशाली खिलाड़ी अब जिला स्तर पर विकासखंड कसरावद का प्रतिनिधित्व करेंगे। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित अतिथियों एवं अधिकारियों द्वारा सभी विजेता एवं प्रतिभागी खिलाड़ियों को प्रमाण-पत्र वितरित कर सम्मानित किया गया।

254.35 लाख के मंगल भवन का लोकार्पण आज

सांसद एवं विधायक करेंगे लोकार्पण

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

अनूपपुर। नगर पालिका परिषद पसान क्षेत्र में निर्मित मंगल भवन का लोकार्पण समारोह 28 नवंबर को दोपहर 1 बजे आयोजित किया जाएगा। 254.35 लाख रुपये की लागत से निर्मित इस मंगल भवन का लोकार्पण क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। इससे नगरवासियों को सामाजिक, सांस्कृतिक एवं पारिवारिक आयोजनों के लिए बेहतर सुविधा उपलब्ध होगी।

नगर पालिका परिषद पसान द्वारा आयोजित कार्यक्रम में शहडोल संसदीय क्षेत्र की सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह एवं अनूपपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक तथा पूर्व मंत्री मध्यप्रदेश शासन बिसाहूलाल सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। वहीं मध्यप्रदेश अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष रामलाल रौतेल एवं भाजपा जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर पालिका परिषद पसान के अध्यक्ष राम अवध सिंह करेंगे। नगर पालिका परिषद पसान के मुख्य नगर पालिका अधिकारी शशांक वर्मा ने आमंत्रित अतिथियों एवं नगरवासियों से लोकार्पण समारोह में उपस्थित होने की अपील की है। इस मंगल भवन के लोकार्पण से पसान नगर सहित आसपास के क्षेत्रों के नागरिकों को मांगलिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों के आयोजन के लिए एक बेहतर स्थान उपलब्ध हो सकेगा।

तलाक एवं पारिवारिक मतभेदों पर चर्चा

भारतीय जैन संघटना की हुई बैठक, संवाद बनाए रखने पर दिया जोर

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

कसरावद। जैन समाज में बढ़ते वैवाहिक विवादों एवं तलाक जैसी परिस्थितियों की रोकथाम को लेकर भारतीय जैन संघटना के प्रतिनिधिमंडल द्वारा दिगम्बर एवं श्वेताम्बर जैन समाज की कार्यकारिणी की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

स्थानीय श्वेताम्बर जैन स्थानक भवन में आयोजित बैठक में भारतीय जैन संघटना के प्रतिनिधिमंडल मंडल के सदस्य पूना निवासी प्राजक्ता कुम्भार, वैष्णवी बनसोडे, बागोद से अशोक सांड एवं अंजड़ से धर्मेंद्र जैन शामिल हुए। बैठक में समाज में बढ़ते वैवाहिक विवादों, पारिवारिक मतभेदों एवं आपसी संवाद की कमी जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा



हुई। इसके साथ ही परिवारों में प्रेम, विश्वास, आपसी समझ, सहनशीलता, एवं संवाद बनाए रखने तथा टूटते परिवारों को बचाने के लिय सकारात्मक प्रयासों की आवश्यकता पर जोर दिया गया। इसी उद्देश्य को लेकर आगामी दिसंबर माह में सकल जैन समाज कसरावद के लिय एक विशेष जागरूकता, मार्गदर्शन एवं मंथन कार्यकम आयोजित करने की योजना बनाई गई। कार्यकम में वैवाहिक जीवन को सुखमय बनाने, पारिवारिक रिश्तों में मधुरता बनाए रखने एवं पारिवारिक समस्याओं के सकारात्मक समाधान के लिय मंथन किया जाएगा। बैठक में भारतीय जैन संघटना कसरावद चेप्टर के अध्यक्ष सचिन जैन रायली, उपाध्यक्ष नगीन धनोते, सचिव संजय जैन, कोषाध्यक्ष प्रेमचंद कवाड़, दिलीप लूनिया, नवीन लुनिया, जैन श्वेतांबर श्रीसंघ अध्यक्ष तिलोकचंद कवाड़, दिगम्बर जैन समाज अध्यक्ष अविनाश जैन सहित अन्य समाजजन सहभागी रहे।

ऋषि बने जैन पत्रकार परिषद के प्रदेश सचिव

नलखेड़ा। जैन पत्रकार परिषद के मध्यप्रदेश इकाई में नलखेड़ा के युवा पत्रकार ऋषि सकलेचा को प्रदेश सचिव पद पर मनोनीत किया गया है।



परिषद के संयोजक दीपक दुगड़ द्वारा यह नियुक्ति की गई। नगर के युवा पत्रकार ऋषि सकलेचा को प्रदेश सचिव जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलने पर स्थानीय समाजजनों, पत्रकार साथियों एवं विभिन्न धार्मिक और सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों व कार्यकताओं में हर्ष का माहौल है। इष्ट मित्रों, शुभचिंतकों एवं पत्रकार साथियों ने ऋषि सकलेचा को बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की

पिकअप वाहन में ठूंस-ठूंसकर भरे थे मवेशी

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

अनूपपुर। पशुओं के अवैध एवं क्रूरतापूर्वक परिवहन के विरुद्ध पुलिस चौकी फुनगा ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक पिकअप वाहन से तीन मवेशियों को मुक्त कराया है। पुलिस ने मौके से पिकअप वाहन क्रमांक टढ 65 ऋअ 2956 को जब्त कर चालक एवं वाहन मालिक के विरुद्ध विभिन्न धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया है।जानकारी के अनुसार, 26 नवंबर 2026 की रात्रि पुलिस चौकी फुनगा में पदस्थ प्रधान आरक्षक गश्ती हमराह आरक्षक हर्षित गौतम के साथ रात्रि गश्त पर थे।

इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि धुरवासिन की ओर से एक पिकअप वाहन में मवेशियों को ठूंस-ठूंसकर भरकर फुनगा की ओर लाया जा रहा है। सूचना पर पुलिस टीम ने एनएच-43 स्थित चमन चौक फुनगा में नाकाबंदी कर संदिग्ध पिकअप वाहन को रोककर जांच की।

अमेराटिकरा से जैतपुर ले जाए जा रहे थे मवेशी

जांच के दौरान वाहन में एक भैंस एवं दो पड़वा सहित कुल तीन मवेशी बेहद अमानवीय तरीके से लदे मिले। मवेशियों के सींगों को रस्सियों से वाहन की बॉडी में बांधा गया था। साथ ही उनके खाने के लिए चारे और पीने के लिए पानी की भी कोई व्यवस्था नहीं थी। पूछताछ में वाहन चालक मोनू दुबे (26 वर्ष), निवासी ग्राम लोहारी, थाना मरवाही, जिला जीपीएम ने बताया कि मवेशियों को वाहन मालिक गोपाल चंद्रा निवासी अमेराटिकरा के कहने पर अमेराटिकरा से लोड कर जैतपुर ले जाया जा रहा था। चालक के पास वाहन चलाने का ड्राइविंग लाइसेंस भी नहीं मिला। पुलिस ने तीनों मवेशियों को वाहन से उतरवाकर उनके स्वास्थ्य परीक्षण की व्यवस्था की।

विधायक ने मुख्यमंत्री को सौपा मांग पत्र

आष्टा । मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव शुक्रवार को सीहोर जिले की बुधनी क्षेत्र के भैरूंदा मे 536.23 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित सीप-अंबर माइक्रो सिंचाई परियोजना के फेज-1 एवं फेज-2 का लोकार्पण कार्यक्रम में पधारने पर आष्टा विधायक गोपालसिंह इंजीनियर ने मंच पर मुख्यमंत्री से भेंट कर आष्टा विधानसभा क्षेत्र के उन सभी 26 ग्रामो को नर्मदा-पार्वती लिंक परियोजना में जोड़ने की मांग की,जो इस लिंक परियोजना से छूट गये है । मांग पत्र के साथ विधायक ने सभी 26 ग्रामो के नामों की सूची भी मांग पत्र के साथ मुख्यमंत्री को दी । विधायक की मांग को मुख्यमंत्री ने ध्यान पूर्वक सुना और उचित कार्यवाही का भरोसा दिया ।



विकास मोयदे के नेतृत्व में सड़क, पानी, पर्यटन और सौंदर्यीकरण के कार्यों का विस्तार

चार वर्षों में बदल गई मंडेश्वर की तस्वीर

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

मंडलेश्वर। मां नर्मदा की पावन नगरी मंडलेश्वर में बीते चार वर्षों के दौरान विकास और सौंदर्यीकरण की दिशा में कई महत्वपूर्ण कार्य किए गए हैं। नगर परिषद अध्यक्ष विश्वदीप मोयदे के नेतृत्व में सड़क निर्माण, पेयजल व्यवस्था, नर्मदा घाट का कायाकल्प, हाइमास्क लाइटें, बस स्टैंड, यात्री प्रतीक्षालय, सब्जी मार्केट, सार्वजनिक शौचालय, बच्चों के गार्डन और नगर परिषद भवन के आधुनिकीकरण जैसे कार्यों को गति मिली है। खास बात यह है कि परिषद के कार्यकाल का अभी एक वर्ष शेष है।

मोयदे ने केवल पद की औपचारिकता तक अपनी भूमिका सीमित नहीं रखी, बल्कि जनप्रतिनिधि के रूप में नगर की



समस्याओं और विकास कार्यों पर ध्यान देने का प्रयास किया है। नगर के हित में योजनाओं को आगे बढ़ाना, नागरिक सुविधाओं का विस्तार करना और विभिन्न क्षेत्रों में विकास कार्य कराना उनके कार्यकाल की प्रमुख गतिविधियों में शामिल रहा है।

नर्मदा घाट बना मंडलेश्वर की नई पहचान

नगर परिषद के कार्यकाल में नर्मदा घाट के सौंदर्यीकरण पर विशेष ध्यान दिया गया। घाट पर लगभग 8 से 10 स्थानों पर हाईमास्क लाइटें लगाई गईं, जिससे रात्रि के समय घाट का दृश्य आकर्षक दिखाई देता है। नर्मदा घाट स्थित मां नर्मदा आश्रय स्थल के समीप निमार्णाधीन मां रेवा द्वार नगर के सौंदर्यीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। राजस्थानी लाल पत्थरों से तैयार हो रहा यह भव्य द्वार लगभग 25 फीट चौड़ा और 23 फीट ऊंचा होगा। इसके साथ ही नर्मदा घाट स्थित मां नर्मदा आश्रय स्थल पर नर्मदा परिक्रमा करने वाले श्रद्धालुओं के लिए भी व्यवस्थाएं की जा रही हैं। यहां परिक्रमा वासियों के ठहरने, भोजन, पेयजल और अन्य आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था का प्रयास किया जा रहा है।

सब्जी बाजार से सार्वजनिक शौचालय तक विस्तार

नगर के दैनिक जीवन से जुड़ी सुविधाओं को बेहतर बनाने की दिशा में भी नगर परिषद द्वारा कार्य किए गए हैं। मंडलेश्वर में सब्जी मार्केट का निर्माण कर व्यवस्थित बाजार की सुविधा विकसित की गई है। इससे सब्जी विक्रेताओं और खरीदारी के लिए आने वाले नागरिकों को सुविधा उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया है। इसके अलावा नगर के अलग-अलग स्थानों पर सार्वजनिक शौचालयों का निर्माण कराया गया है, जिससे बाजार और सार्वजनिक क्षेत्रों में आने-जाने वाले लोगों को सुविधा मिल सके।

गार्डन और पार्कों का भी हुआ सौंदर्यीकरण

नगर में बच्चों और परिवारों के लिए मनोरंजन एवं बैठने की बेहतर व्यवस्था विकसित करने पर भी ध्यान दिया गया है। नगर परिषद कार्यालय के पीछे स्थित बच्चों के गार्डन में आकर्षक झूले लगाए गए हैं। इसी प्रकार नर्मदा घाट के समीप स्थित गार्डन में भी बच्चों के लिए झूले, नागरिकों के बैठने के लिए बैठक व्यवस्था और सौंदर्यीकरण के लिए लाइटें लगाई गई हैं। विभिन्न वार्डों में सड़क निर्माण और सुधार कार्य किए गए हैं। बस स्टैंड का विकास कर यात्रियों के लिए प्रतीक्षालय और आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था की गई है।

सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी नहीं मिलने पर किसान संघ ने किया चक्काजाम

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

आलीराजपुर। जिले के नलखेड़ा में किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी नहीं मिलने से नाराज भारतीय किसान संघ सड़क पर उतर आया। कुंडालिया सिंचाई परियोजना की पाइपलाइन में कहीं लीकेज, कहीं टूटी लाइन और कहीं खेतों तक पाइप नहीं पहुंचने की शिकायतों को लेकर किसानों ने नलखेड़ा के शिवाजी चौराहे पर चक्काजाम कर दिया। किसानों का आरोप है कि करोड़ों की सिंचाई परियोजना और क्षेत्र में विशाल डेम होने के बावजूद खेतों तक पर्याप्त पानी नहीं पहुंच रहा, वहीं पाइपलाइन और ओएमएस में लीकेज के चलते पानी खेतों में व्यर्थ बह रहा है, जिससे फसलों को नुकसान पहुंचने का खतरा बढ़ गया है।

भारतीय किसान संघ तहसील



इकाई नलखेड़ा ने कुंडालिया सिंचाई परियोजना के एनएनटी अधिकारियों पर व्यवस्थाओं में लापरवाही का आरोप लगाया है।

पानी बर्बाद, किसानों की फसल हो रही प्रभावित

किसानों के मुताबिक कई ओएमएस में पानी की पर्याप्त आपूर्ति नहीं हो रही है। कई पाइपलाइन टूटी हुई हैं, तो कई किसानों के खेतों तक अब तक पाइप नहीं पहुंचे हैं। लीकेज के कारण पानी बर्बाद हो रहा है और किसानों की फसल प्रभावित हो रही है। किसानों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द समस्या का समाधान कर खेतों तक पर्याप्त पानी नहीं पहुंचाया गया, तो आंदोलन और उग्र किया जाएगा। प्रदर्शन के दौरान किसलानों ने जिम्मेदार अधिकारियों से व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग की है। उनका कहना है कि समस्या को गंभीरता से लेकर उसका समाधान करना चाहिए।

नक्शे में सुधार के लिए मांगी थी 60 हजार की रिश्वत

पटवारी और कोटवार 10 हजार रु. लेते हुए धरे गए

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

आगर मालवा। जिले में नक्शे में सुधार के नाम पर 60 हजार रुपए की रिश्वत मांगने वाले पटवारी और कोटवार को लोकायुक्त उज्जैन की टीम ने 10 हजार रुपए लेते रंगे हाथों पकड़ लिया। खास बात यह है कि दोनों ने शिकायतकर्ता से पहले ही 30 हजार रुपए वसूल लिए थे। आज जैसे ही रिश्वत की अगली किस्त ली, लोकायुक्त की टीम ने मौके पर दबिश देकर दोनों को धर दबोचा। कार्रवाई आगर बस स्टैंड के समीप मालिखेड़ी रोड स्थित एक कंप्यूटर दुकान पर की गई।

पूरा मामला आगर के राम मालीपुरा निवासी आशुतोष चौहान की जमीन के नक्शे में सुधार से जुड़ा है। शिकायतकर्ता के बड़े पापा चिंतामण चौहान की भूमि का नक्शा त्रुटिपूर्ण था, जिसे दुरुस्त कराने के लिए एसडीएम कार्यालय में आवेदन दिया गया था। आरोप है कि नक्शे में सुधार कराने के एवज में पटवारी प्रहलाद सिंह भिलाला और कोटवार संजय कुम्भकार ने मिलकर 60 हजार रुपए की रिश्वत मांगी थी। शिकायतकर्ता के मुताबिक, दोनों 30 हजार रुपए पहले ही ले चुके थे। इसके बाद शेष राशि में से 10उ हजार रुपए देने की बात हुई।

लोकायुक्त ने दोनों को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा

शिकायतकर्ता ने लोकायुक्त एसपी उज्जैन से इसकी



शिकायत की। शिकायत का सत्यापन करने के बाद शुक्रवार को लोकायुक्त की टीम ने जाल बिछाया। जैसे ही पटवारी और कोटवार ने 10 हजार रुपए की रिश्वत ली, टीम ने दोनों को रंगे हाथों पकड़ लिया। रिश्वत की रकम कोटवार संजय कुम्भकार की पैंट की जेब से बरामद की गई। उज्जैन लोकायुक्त डीएसपी दिनेशचंद पटेल के नेतृत्व में हुई इस कार्रवाई में निरीक्षक हीना डावर सहित टीम के अन्य सदस्य शामिल रहे। फिलहाल दोनों आरोपियों के खिलाफ लोकायुक्त की कार्रवाई जारी है।

बाल विवाह सामाजिक बुराई, रोकने के लिए हमे ही आगे आना होगा: शाह

मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के तहत शिविर आयोजित, हितग्राहियों को हित-लाभ का वितरण

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

खंडवा। बाल विवाह एक सामाजिक बुराई है। जिसे रोकने के लिए हमे ही आगे आना होगा। यह बात प्रदेश के जनजातीय कार्य विभाग के मंत्री डॉ. कुवंर विजय शाह ने कही। शाह शुक्रवार को मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के तहत आयोजित शिविर को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान कलेक्टर ऋषव गुप्ता, पुलिस अधीक्षक अगम जैन, आयुक्त नगर निगम श्रीमती प्रियंका रजावत एवं वार्ड पार्षदो सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि एवं अधिकारीगण मौजूद थे। शिविर का शुभारंभ माँ सरस्वती जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस दौरान मंत्री ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाये गए स्टॉलो का निरीक्षण किया एवं स्वास्थ्य विभाग के स्टॉल पर अपनी ब्लड शुगर की जॉच भी करवाई।

शाह ने इस अवसर पर संबोधित करते हुए कहा कि सरकार ने समाज के सबसे गरीब एवं पिछड़े व्यक्ति को ध्यान में रखकर अनेको योजनाएं संचालित की हैं। सरकार की योजनाओं से समाज का हर वर्ग लाभान्वित हो रहा है । उन्होंने कहा कि आवश्यकता इन योजनाओं का लाभ उठाने के लिए आगे आने की है। इसी उद्देश्य से



मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जनविश्वास अभियान के तहत शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। इन शिविरों में नागरिकों की समस्याओं का तो निराकरण किया ही जा रहा है, साथ ही उनका निशुल्क उपचार किया जा रहा है और विकलांगता प्रमाण पत्र आयुष्मान कार्ड पंजीयन और आधार पंजीयन जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गई हैं।

संगीता के तीन बच्चो के लिए 11-11 हजार रुपए की आर्थिक सहायता

शाह ने कहा कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से स्वरोजगार संबंधी प्रशिक्षण दिलाया जाएगा। इस अवसर पर पी एम स्वनिधि योजना की हितग्राही संगीता के बारे में बताते हुए कहा कि संगीता ने 10 हजार रुपए का लोन लिया। संगीत आने इस राशि से छोटा-मोटा व्यवसाय शुरू किया और साल भर के अंदर ही वो कर्जा चुका दिया। संगीता के तीन बच्चो के लिए 11-11 हजार रुपए की आर्थिक सहायता राशि देने की घोषणा की।

सरकारी योजनाओं का उद्देश्य जीवन में खुशहाली लाना : महापौर

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महापौर श्रीमती यादव ने कहा कि सरकार की योजनाओं का उद्देश्य गरीबों के जीवन में खुशहाली लाना है। सरकार ने आवासहीनों के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना संचालित की है। जिससे देश के करोड़ों गरीबों को पक्के मकान उपलब्ध हुए हैं। उन्होंने कहा कि देश के करोड़ों नागरिकों को सरकार मुफ्त अनाज उपलब्ध करा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं से महिलाओं के जीवन में भी खुशहाली आई है। लाडली बहना योजना और लाड़ली लक्ष्मी योजना से महिलाओं का समाज में सम्मान बढ़ा है। उन्होने कहा कि हमें युवा, किसान, गरीब और महिलाओं के उत्थान के लिए काम करना है। शिविर में नागरिकों के सीएम हेल्पलाइन, जनसुनवाई और लोक सेवा गारंटी से संबंधित आवेदनों का निराकरण भी किया गया। शिविर में पात्र हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं के हितलाभ वितरित किए गए। जिन पात्र व्यक्तियों को हित लाभ वितरित किए गए उनमें पिंकी तंवर को 25 हजार रुपए, सचिन सैनी को 50 हजार रुपए, सुनीता कोलेकर को 15 हजार रुपए की राशि प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत स्वीकृत की गई। इसके अलावा प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत शेख आरिफ एवं प्रकाश वंशाले को स्वीकृति पत्र प्रदान किया गया एवं प्रधानमंत्री आवास के तहत गृह प्रवेश के लिए अशोक संतोष को चाबी प्रदान की गई। टीबी उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत प्रधानमंत्री निक्षय पोषण योजना में दो टीबी मरीजों को पोषण आहार की किट प्रदान की गई।

हवाई फायर करने वाले चारों आरोपी गिरफ्तार



मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

डबरा। थाना डबरा सिटी पुलिस ने पुराने विवाद को लेकर मारपीट करने और छत से हवाई फायर करने वाले चारों फरार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों की निशादेही पर घटना में प्रयुक्त 12 बोर की दुनाली बंदूक, दो जिंदा राउंड और एक चला हुआ राउंड जब्त किया है।

जानकारी के अनुसार, ग्राम पठा पनिहार निवासी फरियादी शैलेन्द्र सिंह ने 25 नवंबर की रात को हुई घटना के संबंध में थाना डबरा सिटी में शिकायत दर्ज कराई थी। फरियादी के मुताबिक, तीन-चार दिन पुराने विवाद को लेकर पड़ोस में रहने वाले विपिन उर्फ जानू रजक और आकाश रजक ने गाली-गलौज की और मना करने पर मारपीट शुरू कर दी। इसी दौरान उनके साथी अंकित रजक और कमलेश रजक भी आ गए और मारपीट करने लगे। जब फरियादी का भतीजा बीच-बचाव करने पहुंचा, तो आरोपियों ने उसके साथ भी मारपीट की और आकाश रजक ने छत से 12 बोर की लाइसेंसी बंदूक से हवाई फायर करते हुए जान से मारने की धमकी दी। फरियादी की रिपोर्ट पर पुलिस ने अपराध क्रमांक 709/26 के तहत बीएनएस की विभिन्न धाराओं एवं एससी/एसटी एक्ट के अंतर्गत प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू की थी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) जयराज कुबेर और एसडीओपी डबरा सौरभ कुमार के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी उप निरीक्षक संजय शर्मा के नेतृत्व में टीम गठित कर आरोपियों की तलाश की जा रही थी।

मुखबिर की सूचना पर दबोचे गए आरोपी

27 नवंबर को मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने चारों आरोपियों–आकाश रजक (30), कमलेश रजक (38), अंकित रजक (25) और विपिन उर्फ जानू (19), सभी निवासी ग्राम पठा पनिहार–को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपियों ने वारदात स्वीकार की। आरोपी आकाश की निशादेही पर अरु तिराहा स्थित हनुमान मंदिर के पास छिपाई गई 12 बोर दुनाली बंदूक, दो जिंदा कारतूस और एक खाली खोखा बरामद किया गया कार्रवाई में थाना प्रभारी उप निरीक्षक संजय शर्मा, उप निरीक्षक राजकुमार, प्रधान आरक्षक शिवशांत पाण्डेय, आरक्षक राजेश रावत, जयकांत नामदेव, दीपक रावत, शिवम पाल और प्रवीण जाट की भूमिका रही।

कुटुंब भोजन में सामाजिक समरसता की झलक

खरगोन के 150 परिवारों ने शिक्षार्थियों के साथ किया सहभोज, मातृशक्ति के स्नेह और संस्कारों का दिखा अनूठा संगम

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

खरगोन। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, मालवा प्रांत द्वारा खरगोन में आयोजित संघ शिक्षा वर्ग-विशेष में कुटुंब भोजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें खरगोन के करीब 150 परिवारों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम में पारिवारिक आत्मीयता, आपसी प्रेम और सामाजिक समरसता का सुंदर दृश्य देखने को मिला।

इस अवसर पर स्थानीय परिवारों ने अपने घरों से स्नेहपूर्वक भोजन तैयार कर वर्ग में उपस्थित शिक्षार्थियों (स्वयंसेवकों) को अपने साथ बैठाकर भोजन कराया। माँ के हाथों से बने भोजन



के साथ मिले स्नेह और अपनत्व ने इस आयोजन को विशेष बना दिया। यह कार्यक्रम समाज और संघ के बीच पारिवारिक जुड़ाव एवं एकात्मता का माध्यम बना।

परिवार भारतीय संस्कृति की आधारशिला : प्रेमशंकर

कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मध्य क्षेत्र मध्य प्रदेश-छत्तीसगढ़ के सह क्षेत्र प्रचारक श्री प्रेमशंकर ने परिवारों को संबोधित करते हुए कहा कि परिवार भारतीय संस्कृति की आधारशिला है। परिवारों में आपसी प्रेम, समरसता, संस्कार और सामूहिकता का भाव मजबूत होगा, तभी समाज भी संगठित और सशक्त बनेगा। उन्होंने परिवारों में संस्कारों के संरक्षण, पारस्परिक संवाद बढ़ाने तथा ऊंच-नीच के भेदभाव को समाप्त कर समाज को एक सूत्र में पिरोने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होने कहा कि परिवार से ही समाज और समाज से राष्ट्र का निर्माण होता है। कार्यक्रम में शामिल परिवारों ने इस आयोजन को गौरवपूर्ण और आत्मीय अनुभव बताया। कुटुंब भोजन ने यह संदेश दिया कि परिवार केवल एक इकाई नहीं, बल्कि संस्कारों, सामाजिक एकता और समरसता का आधार है। इस आयोजन से संघ शिक्षा वर्ग का वातावरण पारिवारिक स्नेह, अपनत्व और सामाजिक सद्भाव से सराबोर हो गया।

हनुमान प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का शुभारंभ, निकली भव्य कलश यात्रा

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

कसरावद। पानवा में श्री खेड़ापति हनुमान प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का शुभारंभ हो गया है। शुक्रवार को गांव में भव्य कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाएं एवं ग्रामीण शामिल हुए। यात्रा ग्राम के प्रमुख मार्गों से होकर निकली। इस दौरान ग्रामीणों ने जगह-जगह पुष्पवर्षा कर कलश यात्रा का स्वागत किया।

गुरुवार रात को संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। इसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने उपस्थित होकर श्रद्धापूर्वक सुंदरकांड का श्रवण किया। भजन एवं संगीतमय पाठ से वातावरण भक्तिमय हो गया। शुक्रवार को सुबह 9 बजे से कलश यात्रा



के साथ धार्मिक कार्यक्रमों की शुरूआत हुई। 28 नवंबर को जलाधिवास, अन्नाधिवास एवं फलाधिवास सहित देवताओं का आह्वान तथा हवन-पूजन के कार्यक्रम संपन्न होंगे। ये सभी धार्मिक अनुष्ठान आचार्य पंडित योगेश तारे के मार्गदर्शन में विधि-विधान से किए जाएंगे।

लोकमंगल का माध्यम बनें साहित्य और राजनीति: कुमार संजीव

साहित्य अकादमी के तत्वावधान में साहित्यिक संगोष्ठी एवं कवि सम्मेलन आयोजित, पुस्तक का विमोचन भी हुआ

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

डबरा। साहित्य और राजनीति दोनों के विचार और शैली केवल और केवल लोकमंगल के लिए होनी चाहिए। असल में तो केवल लोक नीति ही होती है, लेकिन जब वह राज चलाती है तो उसे राजनीति कहते हैं। ये विचार ग्वालियर के वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. कुमार संजीव ने साहित्य अकादमी, मध्य प्रदेश संस्कृति परिषद के तत्वावधान में डबरा में आयोजित साहित्यिक संगोष्ठी एवं कवि सम्मेलन में व्यक्त किए।

एक निजी होटल में आयोजित कार्यक्रम में डॉ. कुमार संजीव ने कहा कि राजनीति और साहित्य एक-दूसरे



के साथ-साथ चलते हैं और दोनों का ही अंतिम उद्देश्य राष्ट्र को परम वैभव के शिखर तक ले जाना है। इसलिए दोनों का समानांतर चलना अनिवार्य है।

अटल जी के स्मृति प्रसंग और पुस्तक का विमोचन

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां वीणावादिनी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। डॉ. करुणा सक्सेना ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। मुख्य वक्ता एवं वीर रस के कवि डॉ. रामकिशोर उपाध्याय ने राजनीति और साहित्य के अंतसंबंधों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि स्व. अटल बिहारी वाजपेयी एक आदर्श राजनेता, उदात्त चरित्र के साहित्यकार और कवि का संयुक्त स्मृति प्रसंग हैं। उन्होंने अटल जी की प्रसिद्ध पंक्तियां बाधाएँ आती हैं आएँ, घिरें प्रलय की घोर घटाएँ... भी साझा कीं। इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक डॉ. ब्रह्मदत्त श्रीवास्तव की मध्य प्रदेश साहित्य अकादमी से प्रकाशित पुस्तक 'राष्ट्रीय चेतना के संवाहक' का विमोचन उपस्थित अतिथियों व साहित्यकारों ने किया। आभार डॉ. ब्रह्मदत्त श्रीवास्तव ने माना।

काव्य पाठ से गूंजा सभागार

कवि सम्मेलन में कवियों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के व्यक्तित्व व कृतित्व को नमन किया। लोकेश तिवारी (ग्वालियर): तेज पुंज अंश थे, विराट मना संत थे। साहित्य के साधक, वो नीति के वसंत थे। ब्रजमोहन साथी ने राजनीति का पाठ पढ़ाया भारत को, कविताओं से भी महकाया भारत को। अटल बिहारी जी का क्या व्यक्तित्व लिखूं, परमाणु संपन्न बनाया भारत को कविता पढ़ी, वहीं अनिल अनंत ने जग में अगर अटल नहीं आते, हम राज धर्म कहां पाते। विपिन सिंह तोमर (मुरैना) ने वे व्यक्ति नहीं, विचार बने;, वे युग का उद्घोष बने, भारत के गौरव-गगन तले, अमरत्व के संतोष बने का पाठ किया। डॉ. करुणा सक्सेना (ग्वालियर) ने प्राण सेतु पार करने के लिए, देह के अनुराग वर्जित हो गए। निर्विकल्प आलिंगनों के मनवरण, राग रस सारे विसर्जित हो गए कविता पढ़ी।

ज्ञापन विक्रांत महाविद्यालय में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ

एआई के दौर में काफी अहम है औद्योगिक सुरक्षा

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

महू। विक्रांत महाविद्यालय, महू के विवेकानंद हॉल में शुक्रवार को अग्नि सुरक्षा, औद्योगिक जोखिम एवं आपदा प्रबंधन विषय पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ हुआ। इस संगोष्ठी का विषय एडवांसेज इन फायर सेफ्टी, इंडस्ट्रियल रिस्क एंड डिजास्टर मैनेजमेंट इन द एरा ऑफ एआई एंड सस्टेनेबिलिटी रहा। इसका आयोजन महाविद्यालय के फायर टेक्नोलॉजी एंड सेफ्टी इंजीनियरिंग विभाग द्वारा एफएसएआई, क्यूसीएफआई एवं एनएससीआई के सहयोग से किया जा रहा है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि यूपीईएस, देहरादून के निदेशक डॉ. निहाल अनवर सिद्दीकी तथा विशिष्ट अतिथि आरेल इंडस्ट्रीज, इंदौर के प्रमोद दफरिया एवं उत्तरांचल विश्वविद्यालय, देहरादून के प्रोफेसर डॉ. राजन शर्मा रहे। इस अवसर पर विक्रांत ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के प्रबंध



निदेशक नितिन सिंह तोमर एवं संयुक्त प्रबंध निदेशक डॉ. संदीप शुक्ला उपस्थित रहे।

संगोष्ठी की स्मारिका का किया गया विमोचन

दीप प्रज्जवलन एवं सरस्वती वंदना के साथ कार्यक्रम की शुरूआत हुई। प्राचार्य एवं संगोष्ठी अध्यक्ष डॉ. जितेंद्र सिंह डोडिया ने संगोष्ठी की रूपरेखा प्रस्तुत की। अतिथियों ने अपने संबोधन में एआई और सतत विकास के दौर में औद्योगिक सुरक्षा विशेषज्ञों की बढ़ती आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को इस क्षेत्र में शोध एवं व्यावसायिक अवसर अपनाने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान संगोष्ठी की स्मारिका का विमोचन भी किया गया। अंत में संयोजक एवं एफटीएसई विभागाध्यक्ष डॉ. शेखर चौधरी ने आभार व्यक्त किया।

जलवायु परिवर्तन एवं औद्योगिक जोखिम की दी जानकारी

तकनीकी सत्रों में डॉ. निहाल अनवर सिद्दीकी ने सुरक्षा रंगों एवं संकेतों की उपयोगिता, डॉ. राजन शर्मा ने सतत विकास, जलवायु परिवर्तन एवं औद्योगिक जोखिम तथा जीएनएफसी, भरूच के फायर एंड सेफ्टी प्रबंधक पी.एस. केशवानी ने एआई, नेतृत्व एवं औद्योगिक प्रक्रियाओं के माध्यम से प्रोसेस सेफ्टी को मजबूत बनाने पर व्याख्यान दिया।

विद्युत सुरक्षा एवं दुर्घटना रोकथाम के उपाय बताए।

कार्यक्रम में एसबीआई, इंदौर के फायर ऑफिसर धीरज अहीर ने कार्यस्थल पर विद्युत सुरक्षा एवं दुर्घटना रोकथाम के उपाय बताए। तंजानिया से ऑनलाइन जुड़े एस्टिम कंस्ट्रक्शन कॉर्पोरेशन के माचिब्या शीजा मासेगेसे ने निर्माण स्थल सुरक्षा एवं श्रमिक संरक्षण पर अपने विचार साझा किए।संगोष्ठी में बड़ी संख्या में विद्यार्थी, प्राध्यापक, शोधार्थी एवं उद्योग विशेषज्ञ शामिल हुए। इसका समापन 28 नवंबर को शोध-पत्र प्रस्तुतियों एवं समापन सत्र के साथ होगा।

मोबाइल और एआई को बनाएं पढ़ाई का साथी : गोविंद यादव

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

खरगोन। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, खरगोन में प्राचार्य डॉ. जी.एस. चौहान के मार्गदर्शन में महिला सशक्तिकरण समिति द्वारा मोबाइल आधारित शैक्षणिक संसाधनों एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के माध्यम से अध्ययन को प्रभावी बनाने के उद्देश्य से कार्यशाला आयोजित की गई।

कार्यशाला के मुख्य वक्ता महाविद्यालय के ग्रंथपाल गोविंद यादव ने कहा कि मोबाइल और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस शिक्षा के क्षेत्र में सीखने और ज्ञान प्राप्त करने के नए अवसर उपलब्ध करा रहे हैं। विद्यार्थियों को इन तकनीकों का उपयोग केवल मनोरंजन के लिए नहीं, बल्कि अध्ययन, ज्ञानवृद्धि और कौशल विकास के लिए करना चाहिए। उन्होंने एआई की अवधारणा, कार्यप्रणाली तथा दैनिक जीवन में इसके उपयोगों की जानकारी देते हुए शिक्षा, स्वास्थ्य और विज्ञान सहित विभिन्न क्षेत्रों में इसकी भूमिका और भविष्य की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने चैट जीपीटी जैसे एआई टूल्स के माध्यम से अध्ययन सामग्री तैयार करने, कठिन विषयों को सरलता से समझने, शोध कार्यों में सहायता प्राप्त करने तथा रचनात्मक गतिविधियों को बेहतर बनाने के तरीके बताए। महिला सशक्तिकरण समिति प्रभारी डॉ. ललिता बर्गे ने कहा कि वर्तमान डिजिटल युग में छात्राओं का तकनीकी रूप से दक्ष होना आवश्यक है। संचालन प्रो. तुषार जाधव ने किया तथा तकनीकी सहयोग प्रवेश पाल ने दिया। इस दौरान प्रो. सुरेश सोलंकी, जगदीश पावरा, संतोष दवाड़े, गगन पाटीदार, साधना चौहान सहित विद्यार्थी उपस्थित रहे।

जल संरक्षण का संदेश

गुना। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के तत्वावधान में आरोन में नवांकुर संस्था 'एकता स्पोर्ट क्लब' के माध्यम से को जल संचय अभियान के अंतर्गत बोरी बंधान का कार्य सफलतापूर्वक संपन्न किया गया। इस दौरान जल संरक्षण का संदेश दिया गया।

जाहिर सूचना

जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक **रागिनी संघई पिताश्री शरद कुमार संघई** द्वारा नामांतरण चाहा गया है। झोन क्र. 9 वार्ड क्र. 47 राजस्व विभाग पर आवेदन के साथ रजिस्ट्री, वसीयतनामा प्रस्तुत कर भूखंड पिन क्र. **1004033585**, पता **27, यशवंत निवास रोड, 1001, विंग-ई, कल्पतरू ग्राउण्डर, इन्दौर** पर नामांतरण चाहा गया है। इस जाहिर सूचना के प्रकाशन दिनांक **28.11.2026** से 15 दिवस की समयावधि के अंतर्गत किसी भी व्यक्ति, बैंक, संस्था व अन्य को उक्त संपत्ति के नामांतरण में आपत्ति हो तो झोन 9 के राजस्व विभाग में सहायक राजस्व अधिकारी के समक्ष अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। समयावधि के पश्चात आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी
झोन क्रमांक 9,
नगर पालिका निगम, इंदौर

माकड़ोन में अवैध शराब पकड़ने गई थी टीम

आबकारी टीम पर पथराव, वाहन तोड़े, नकदी लूटी, पिता-पुत्र गिरफ्तार

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

उज्जैन। जिले के माकड़ोन क्षेत्र में अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई करने गई आबकारी विभाग की टीम पर शराब माफियाओं और उनके परिजनों ने जानलेवा हमला कर दिया। आरोपियों ने अपने घर की छत से टीम पर जमकर पत्थर बरसाए, जिससे जान बचाने के लिए आबकारी आरक्षकों को मौके से भागना पड़ा। इस दौरान हमलावरों ने सरकारी वाहनों में भारी तोड़फोड़ की और कर्मचारियों से नकदी, दस्तावेज व जब्त की गई शराब भी लूट ली। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने त्वरित कार्रवाई कर मुख्य आरोपी पिता-पुत्र को गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के अनुसार, यह घटना 26 नवंबर की है। तराना आबकारी वृत्त की उप निरीक्षक रानी सिंह अपनी टीम के साथ क्षेत्र में गश्त कर रही थीं। इसी दौरान उन्हें मुखबिर से पुख्ता सूचना मिली कि ग्राम सालनाखेड़ी निवासी जगदीश चौहान अवैध शराब का कारोबार करता है और वह अपने घर के बाहर भट्ठी की कच्ची शराब लेकर कहीं जाने की फिराक में खड़ा है। सूचना के आधार पर आबकारी टीम तत्काल दबिश



देने के लिए जगदीश चौहान के घर पहुंची।

आरोपी ने शोर मचाकर अपने परिजनों और साथियों को बुलाया

मौके पर घेराबंदी कर जब टीम ने जगदीश की तलाशी ली, तो उसके हाथ में मौजूद झोले से भारी मात्रा में कच्ची शराब के पाउच बरामद हुए। आबकारी कर्मचारी जब नियमानुसार शराब को जब्त करने की प्रक्रिया पूरी कर रहे थे, तभी जगदीश ने शोर मचाकर अपने परिजनों और अन्य साथियों को आवाज देकर बुला लिया। देखते ही देखते बड़ी संख्या में लोग वहां एकत्र हो गए और उन्होंने आबकारी टीम को घेरकर हमला कर दिया।हमलावरों ने आबकारी कर्मचारियों के साथ मारपीट शुरू कर दी और कुछ लोगों ने घर की छत पर चढ़कर टीम के ऊपर पथराव शुरू कर दिया। अचानक हुए इस हमले से मौके पर अफरा-तफरी मच गई और आरक्षकों को अपनी जान बचाने के लिए पीछे हटना पड़ा। बेखौफ आरोपियों ने टीम के सरकारी वाहनों में जमकर तोड़फोड़ की। इतना ही नहीं, हमलावर जब्त की जा रही अवैध शराब के साथ-साथ कर्मचारियों की नकदी, पर्स, आईडी कार्ड और अन्य जरूरी शासकीय दस्तावेज भी लूट ले गए।

घटना के बाद उप निरीक्षक रानी सिंह ने माकड़ोन थाने पहुंचकर पूरे मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा डालने, मारपीट, लूट और शासकीय संपत्ति को नुकसान पहुंचाने सहित विभिन्न गंभीर धाराओं में प्रकरण दर्ज किया।

15 पुलिसकर्मियों की टीम ने दबिश देकर पिता-पुत्र को किया गिरफ्ता

थाना प्रभारी रवींद्र कटारे के नेतृत्व में उप निरीक्षक लालचंद शर्मा, रामचंद्र दलोदिया, सहायक उप निरीक्षक उपेंद्र सिंह यादव, प्रधान आरक्षक सूरज यादव और आरक्षक प्रकाशचंद्र मेहता, राजेंद्र सिंह, कुंदन सिंह व रवींद्र मुकाती सहित करीब 15 पुलिसकर्मियों की टीम ने दबिश देकर आरोपी जगदीश चौहान (43) और उसके बेटे कुलदीप चौहान (19) निवासी सालनाखेड़ी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश कर पूछताछ के लिए रिमांड पर लेने की तैयारी कर रही है।

एलिवेटेड ब्रिज के लिए नपती और मार्किंग से बढ़ गई चिंता

रहवासियों और व्यापारियों ने जताया कड़ा विरोध

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

उज्जैन। प्रस्तावित एलिवेटेड ब्रिज निर्माण को लेकर देवास गेट से गधा पुलिया तक के रहवासियों और व्यापारियों में चिंता बढ़ गई है। शुक्रवार दोपहर करीब 2 बजे नगर निगम, पीडब्ल्यूडी और पुलिस प्रशासन की मौजूदगी में प्रभावित क्षेत्र की नपती की गई। इस दौरान मकानों, होटलों और दुकानों पर निशान लगाए गए, जिससे लोगों में जल्द तोड़फोड़ की आशंका गहरा गई है।

नपती के दौरान होटल और दुकान संचालकों ने प्रशासन के समक्ष आपत्ति दर्ज कराई। प्रभावितों का कहना है कि निर्माण मास्टर प्लान और 30 मीटर के दायरे में किया जाए। उनका आरोप है कि देवास गेट से इंदौर गेट के बीच पहले चौड़ाई 24 मीटर प्रस्तावित थी, जिसे मांग के बाद घटाकर 19.60 मीटर किया गया, लेकिन गधा पुलिया क्षेत्र में कुछ मकानों को पूरी तरह प्रभावित करने की तैयारी है।स्थानीय निवासी विवेक ठाकुर ने बताया कि उनका मकान 2016



के सिंहस्थ के दौरान भी प्रभावित हुआ था और अब दोबारा उसी पर निशान लगाए गए हैं। उनके चाचा सहित कई परिवार प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने मांग की कि जिस तरह पहले अन्य संपत्तियों को बचाने के लिए चौड़ाई कम की गई थी, उसी तरह यहां भी राहत दी जाए ताकि कोई बेघर न हो। उन्होंने कोर्ट से स्टे मिलने का दावा करते हुए कार्रवाई की स्थिति में अवमानना की चेतावनी भी दी।

ब्रिज के नाम पर परिवार व आजीविका नहीं छिनने देंगे

रोजी-रोटी छिनने के डर से कई होटल और दुकान संचालकों ने प्रतिष्ठानों के बाहर बैनर लगाए हैं, जिन पर लिखा है कि वे 2016 में जमीन दे चुके हैं और अब एलिवेटेड ब्रिज के नाम पर परिवार व भविष्य की आजीविका नहीं छिनने देंगे।

पीडब्ल्यूडी द्वारा किया जा रहा ब्रिज का निर्माण

नगर निगम अधिकारी प्रमोद मालवीय ने बताया कि पीडब्ल्यूडी द्वारा ब्रिज का निर्माण किया जा रहा है और एलाइनमेंट का आकलन करने के लिए सर्वे व मार्किंग हो रही है। उन्होंने कहा कि आपत्तियां वरिष्ठ अधिकारियों तक पहुंचाई जाएंगी और सूचना पत्र जारी करने के बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई होगी।

संविधान के आदर्शों के प्रति व्यक्त की प्रतिबद्धता

भाजपा जिला कार्यालय में प्रबुद्धजन गोष्ठी आयोजित

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर



देवास। भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय देवास में संविधान गौरव दिवस के अवसर पर प्रबुद्धजन गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. रायसिंह सेंधव एवं अजा मोर्चा जिला अध्यक्ष प्रमोद डोंगलिया ने अपने विचार व्यक्त करते हुए बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के जीवन, संघर्ष, विचारों एवं भारतीय संविधान के निर्माण में उनके अतुलनीय योगदान पर प्रकाश डाला।

भाजपा जिला मीडिया प्रभारी कमल अहिरवार ने बताया कि इस अवसर पर वक्ताओं ने संविधान में निहित समानता, सामाजिक न्याय, स्वतंत्रता एवं लोकतांत्रिक मूल्यों को आत्मसात करने तथा उनके अनुरूप कार्य करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में भारतीय संविधान का पूजन कर संविधान के आदर्शों एवं सिद्धांतों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की गई। गोष्ठी के पश्चात भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. रायसिंह सेंधव सहित उपस्थित पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उज्जैन रोड स्थित बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा स्थल पर पहुंचे, जहां सभी ने बाबा साहेब की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। कार्यक्रम में बहादुर मुकाती, राजीव खंडेलवाल, राजेश यादव, मनीष सोलंकी, विजय सिंह पंवार, ओम जोशी, मनोरमा सोलंकी, प्रमोद डोंगलिया, टिंकी बारेला, रजतपाल सिंह राजपूत, विनय सांगते उपस्थित रहे।

24 वर्षीय महिला ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

देवास। बावड़िया क्षेत्र में गुरुवार शाम 24 वर्षीय खुशबू पति राहुल ने अपने मायके में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के समय उसकी पांच वर्षीय बेटी घर पर थी। मां को फंदे पर लटका देखकर बच्ची घबराकर रोते हुए पड़ोसियों के पास पहुंची। पड़ोसी मौके पर पहुंचे और महिला को अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। खुशबू पिछले कुछ दिनों से बावड़िया इदूका स्थित अपने पिता के घर रह रही थी। परिजनों के अनुसार, वह मानसिक रूप से कमजोर थी और इंदौर में उसका इलाज चल रहा था। पति राहुल ढांचा भवन क्षेत्र में चश्मे-पर्स का ठेला लगाते हैं। सूचना मिलने पर वे ससुराल पहुंचे। शुक्रवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

20 से अधिक यात्रियों को पहुंचाया अस्पताल

ट्रेन-मालगाड़ी की टक्कर की मॉक ड्रिल, दो घंटे चला अभियान

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

देवास। रेल दुर्घटना के दौरान राहत एवं बचाव कार्यों की तैयारियों को परखने के लिए गुरुवार को देवास रेलवे स्टेशन पर ट्रेन और मालगाड़ी की टक्कर का मॉक ड्रिल आयोजित किया गया। अभ्यास के दौरान बोगियों में फंसे 20 से अधिक यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकालने, प्राथमिक उपचार देने और अस्पताल पहुंचाने की प्रक्रिया का प्रदर्शन किया गया।

मॉक ड्रिल में घायलों को स्ट्रेचर की मदद से बोगियों से बाहर निकाला गया। इसके बाद उन्हें प्राथमिक उपचार देकर अस्पताल पहुंचाने का अभ्यास किया गया। राहत सामग्री मौके तक पहुंचाने और फंसे यात्रियों को सुरक्षित निकालने की प्रक्रिया भी परखी गई।

आपात परिस्थितियों में बचाव दल की तैयारी और कार्यक्षमता का आकलन

करीब दो घंटे चले इस अभ्यास में रेलवे के बचाव दल, पुलिस, प्रशासन और



एसडीआरएफ की टीमों ने हिस्सा लिया। सिंहस्थ की तैयारियों के तहत आयोजित इस मॉक ड्रिल का उद्देश्य आपात स्थिति में बचाव कार्य शुरू करने की गति और विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय की क्षमता जांचना था। अपर मंडल रेल प्रबंधक केएल मीना ने बताया कि मॉक ड्रिल के माध्यम से आपात परिस्थितियों में रेलवे के बचाव दल की तैयारी और कार्यक्षमता का आकलन किया जाता है, ताकि वास्तविक दुर्घटना के समय यात्रियों को जल्द और सुरक्षित राहत पहुंचाई जा सके।

10 आदतन बदमाशों को छह माह के लिए किया जिलाबदर

कलेक्टर नेहा मीना ने जारी किया आदेश

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

देवास। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्रीमती नेहा मीना ने जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने एवं आमजन की सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 की धारा 5 (ख) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए 10 आदतन अपराधियों को जिला बदर करने के आदेश जारी किए हैं।

जिला बदर किए गए आरोपियों में राजेश पिता बद्रीलाल चौहान, अभिषेक उर्फ कालू पिता अनिल मिश्रा, रजाक पिता सलीम खां, सन्नवर उर्फ अनवर पिता हीरा खां पठान, राहुल वागेला पिता शंकरलाल वागेला, राजू उर्फ राजेश पिता रामकिशन विश्नोई, आकाश सांगते पिता विरेंद्र सांगते, नूर पिता सलीम खां, लल्लू उर्फ लालू पिता मोतीलाल उर्फ मोतीराम चौहान एवं मनावर उर्फ मुनव्वर खां पिता मम्मुखां शामिल हैं। जारी आदेश के तहत सभी संबंधित आरोपियों को आगामी 6 माह की कालावधि के लिए देवास जिले तथा इससे लगे सीमावर्ती जिलों इंदौर, उज्जैन, शाजापुर, सीहोर, हरदा, खंडवा एवं खरगोन की राजस्व सीमाओं से निष्कासित (जिला बदर) किया गया है। आदेश का उल्लंघन करने पर संबंधित आरोपियों के विरुद्ध अधिनियम की सुसंगत धाराओं के तहत सख्त वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

बिना अनुमति लगे फ्लैक्सों को नगर पालिका ने निकलवाया

1000 का लगाया जुर्माना, अब बिना अनुमति के फ्लैक्स लगाने वालों के खिलाफ दर्ज होगी एफआईआर

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

शाजापुर। हाईवे पर आवागमन में बाधा बन रहे अवैध होर्डिंग्स और फ्लैक्स को लेकर गुरूवार को नगर पालिका ने अभियान चलाया। जिनके द्वारा 100 से भी ज्यादा फ्लैक्स को हटाया गया। साथ ही अब बिना अनुमति फ्लैक्स व बैनर लगाने वालों से न सिर्फ जुमार्ना वसूला जाएगा बल्कि आयोजन समिति के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज की जाएगी।

दरअसल नगर पालिका ने शहरी हाईवे के बिजली के खंभों और सार्वजनिक



जगहों से 100 से ज्यादा फ्लेक्स हटाए। ये फ्लेक्स बिना अनुमति लगाए गए थे। नगर पालिका के मुताबिक शहर में राजनीतिक, धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रमों के दौरान आयोजक समितियां बिना अनुमति फ्लेक्स लगा देती हैं। बिजली के खंभों पर दोनों तरफ लगे फ्लेक्स से बड़े वाहनों को निकलने में परेशानी होती है।

हो चुके हैं हादसे

शहर में कोई भी आयोजन हो सबसे पहले उसके फ्लैक्स हाईवे पर लगा दिए जाते हैं। बिना यह सोचे कि इनके कारण वाहन चालकों को कोई परेशानी होगी। जिसके चलते पहले भी इनके कारण दुर्घटना हो चुकी हैं। फिर भी बिना अनुमति के आयोजन समिति, पार्टी कार्यकर्ता या अन्य के द्वारा यह फ्लैक्स हाईवे पर लटका दिए जाते हैं। इसे लेकर लोगों ने भी आपत्ति जताई थी। जिसके चलते गुरूवार को नपा द्वारा सख्ती बरतते हुए इन फ्लैक्स व बैनरों को हाईवे से हटा दिया गया है। नपा द्वारा एनएच-52 पर लगे बैनर व फ्लैक्स हटा दिए। नपा का वाहन कॉलेज से लेकर कृषि उपज मंडी तक पहुंचा और जहां भी अवैध होर्डिंग्स, फ्लैक्स या बैनर दिखाई दिए उन्हें हटा दिया गया। जिससे हाईवे पर अब राह कुछ हद तक आसान हो गई। अब जिम्मेदारों को चाहिए कि दोबारा ऐसा न हो। दर्ज होगी एफआईआर, जुर्माना भी लगेगा।

समस्या शौकीनों की मस्ती आम राहगीरों के लिए बन रही परेशानी का सबब

कान फोड़ रहा है बुलेट के साइलेंसर का शोर

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर



शाजापुर। एक तरफ जहां शाजापुर नगर की तंग सड़कों पर हर रोज बढ़ते आवागमन के चलते जगह-जगह बेवजह जाम की समस्या विकराल बनी हुई है, वहीं दूसरी तरफ इन दिनों बुलेट मोटर साइकिल की तेजी से बढ़ती संख्या और उसके साइलेंसर का शोर आम राहगीरों के लिए खासा परेशानी का कारण बन रहा है। सड़कों के लिए गंभीर रूप धारण करने वाली इस समस्या को लेकर जागरूक शहरवासियों ने पुलिस विभाग के जिम्मेदारों से मांग की है कि साइलेंसरों के शोर पर लगाम कसने के लिए उचित कार्रवाई करें ताकि लोगों को इस अकारण तकलीफ से मुक्ति मिल सके।

गौरतलब है कि इन दिनों युवाओं में बुलेट बाइक का शौक तेजी से बढ़ा है, जिसके चलते शहर में भी बड़ी संख्या में ये दोपहिया वाहन सड़कों पर दौड़ते नजर आने लगे हैं।

कार्रवाई के अभाव में बनी हुई है समस्या

इसमें समस्या ये पैदा हो गई है कि शौकीन लोग कंपनी का साइलेंसर चेंज करवाकर तेज आवाज वाले साइलेंसर बाइक में लगवा लेते हैं, जिस कारण इससे तेज आवाज निकलने लगती है और इनके शोर से दूसरे लोगों को बेहद परेशानी होती है। बहुत से जिले व राज्यों में हालांकि वहां के पुलिस प्रशासन ने अपने एरिया में चलने वाली ऐसी बाइक वालों को कड़ी चेतावनी देते हुए एक्शन शुरू कर दिया है, लेकिन उस कार्रवाई के अभाव में शाजापुर और आसपास के इलाकों में अभी भी सड़कों पर यह शैतानी जारी है। जब बुलेट सड़कों पर दहाड़ती है तो साइलेंसर की आवाज इतनी तेज होती है कि किसी का छोटा बच्चा डर जाता है तो किसी के हाथ से सामान छूट जाता है। बुजुर्गों और दिल की समस्या वाले भी इससे काफी परेशान हैं। बेहद तेज आवाज निकालने वाली ये बाइक जब तेज रफ्तार में अचानक किसी स्कूटर या बाइक सवार के पास से गुजरती है तो बहुत जगह एक्सीडेंट भी हो जाते हैं।

किस तरह के साइलेंसर हैं मार्केट में

शाजापुर या फिर इससे सटे जिले देवास, उज्जैन व इंदौर के मार्केट में जाएंगे तो आपको कई तरह के साइलेंसर मिल जाएंगे। यहां के दुकानदार बताते हैं कि कई लोग तो शोरूम से सीधे उनके पास आते हैं और कंपनी के साइलेंसर को निकलवाकर अपनी पसंद की आवाज वाले साइलेंसर लगवाते हैं। मार्केट में इस वक्त 600 रुपए से लेकर 8 हजार रुपए तक के साइलेंसर मौजूद हैं।

क्या कहता है कानून

अगर कानून के हिसाब से देखा जाए तो किसी भी गाड़ी में किया जाने वाला मॉडिफिकेशन गलत है। जब कोई कंपनी मार्केट में गाड़ी उतारती है तो उसकी लंबाई-चौड़ाई से लेकर इंजन और एमिशन तक को कई लेवल पर टेस्ट पास करना होता है। उसके बाद ही उसे भारत में बेचने का सर्टिफिकेट दिया जाता है। पुलिस इस मामले में आरसी वायलेशन के चालान काटती है।

संविधान दिवस: सांसद सोलंकी ने दिलाई संविधान पालन की शपथ

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

देवास। संविधान दिवस के अवसर पर अमलतास मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल, देवास में गरिमामय समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि देवास-शाजापुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद महेंद्र सिंह सोलंकी थे। इस अवसर पर कमल शर्मा एवं विश्वामित्र अवार्ड सुदेश सांगते भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद महेंद्र सिंह सोलंकी ने संविधान दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारतीय संविधान हमारे लोकतंत्र की आधारशिला है। संविधान के कारण ही आज भारत निरंतर प्रगति के पथ पर आगे बढ़ रहा है। सामान्यतः लोगों को अपने मौलिक अधिकारों की जानकारी होती है।

अधिकारों के साथ-साथ



कर्तव्यों का पालन करना भी महत्वपूर्ण : सोलंकी

सोलंकी ने कहा कि संविधान में निर्धारित कर्तव्यों एवं जिम्मेदारियों को समझना और उनका पालन करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। हमें संविधान की भावना के अनुरूप अपने सभी दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करना चाहिए। इस अवसर पर सांसद ने उपस्थित सभी अतिथियों, चिकित्सकों, फैकल्टी सदस्यों एवं छात्र-छात्राओं को भारतीय संविधान के पालन की शपथ भी दिलाई। कार्यक्रम का शुभारंभ सामूहिक वंदे मातरम गायन से हुआ तथा समापन राष्ट्रगान जन-गण-मन के सामूहिक गायन के साथ हुआ। कार्यक्रम में अमलतास मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल के निदेशक प्रशासन डॉ. प्रशांत ने अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि भारत सरकार की आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत अमलतास अस्पताल में बड़ी संख्या में जरूरतमंद मरीजों का उपचार किया जा रहा है।

24 घंटे में एक दर्जन से ज्यादा लोगों को काटा, बच्चों-बुजुर्गों में दहशत, लोगों का घर से निकलना मुश्किल

आवारा डॉग का आतंक! बंद पड़ा शेल्टर हाउस

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

गुना। शहर में आवारा डॉग का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। हालात यह हैं कि अब लोगों के लिए घर से बाहर निकलना भी खतरे से खाली नहीं रह गया है। बीते 24 घंटों में ही डॉग बाइट के एक दर्जन से ज्यादा मामले सामने आने की जानकारी है। इसके बावजूद नगरपालिका प्रशासन की ओर से आवारा डॉग को पकड़ने के लिए कोई प्रभावी कार्रवाई होती नजर नहीं आ रही है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि सुप्रीम कोर्ट के निदेर्शों के बाद जगनपुर क्षेत्र में बनाया गया डॉग शेल्टर हाउस सितंबर महीने से बंद पड़ा है।

शहर में आवारा डॉग की समस्या से निपटने के लिए जगनपुर क्षेत्र में डॉग शेल्टर हाउस बनाया गया था, लेकिन यह व्यवस्था ज्यादा समय तक संचालित नहीं रह सकी। बताया जा रहा है कि शेल्टर हाउस के संचालन का ठेका एक निजी कंपनी को दिया गया था, जिसकी अवधि सितंबर महीने में समाप्त हो गई। ठेका खत्म होते ही शेल्टर हाउस बंद कर दिया गया। इसके बाद से न तो नई व्यवस्था शुरू की गई और न ही आवारा डॉग पकड़ने के अभियान को लेकर कोई स्पष्ट जानकारी सामने आ रही है। सवाल यह है कि जब शहर में डॉग बाइट के मामले लगातार बढ़ रहे हैं तो शेल्टर हाउस को दोबारा शुरू करने की पहल क्यों नहीं की जा रही है? बीते 24 घंटों में एक दर्जन से ज्यादा लोगों को आवारा डॉग द्वारा काटे जाने के मामले सामने आने से शहर में चिंता बढ़



गई है। नजूल कॉलोनी, हाट रोड, तलैया मोहल्ला, राधा कॉलोनी, बोहरा मस्जिद क्षेत्र और नई सड़क सहित कई इलाकों में आवारा डॉग के झुंड सक्रिय बताए जा रहे हैं। नजूल कॉलोनी में हाल ही में 20 से ज्यादा लोगों को डॉग ने अपना शिकार बनाया। इनमें बच्चे और महिलाएं भी शामिल हैं। वहीं राधा कॉलोनी क्षेत्र में भी 25 से ज्यादा लोगों को आवारा डॉग द्वारा निशाना बनाए जाने की बात सामने आई है।

तलैया मोहल्ला और नई सड़क पर झुंड से परेशानी

तलैया मोहल्ला और नई सड़क क्षेत्र में भी स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। स्थानीय नागरिकों के मुताबिक इन दोनों क्षेत्रों में 30 से 40 से ज्यादा आवारा डॉग सक्रिय हैं। यहां से गुजरने वाले राहगीरों को अक्सर डॉग के झुंड का सामना करना पड़ता है। कुछ दिनों पहले काम पर जा रहे जमनालाल नामक बुजुर्ग को भी आवारा डॉग ने काट लिया था। इससे पहले तलैया मोहल्ला और बोहरा मस्जिद क्षेत्र में भी कई लोग डॉग के हमले में घायल हो चुके हैं। आवारा डॉग की बढ़ती संख्या से सबसे ज्यादा परेशानी बच्चों और बुजुर्गों को हो रही है। स्कूल जाने वाले बच्चों, सुबह-शाम टहलने निकलने वाले बुजुर्गों और कामकाज के लिए पैदल आने-जाने वाले लोगों में डर का माहौल है। कई इलाकों में लोग डॉग के झुंड को देखकर रास्ता बदलने को मजबूर हैं।

नपा की चुप्पी, कार्रवाई का कोई रोडमैप नहीं

सबसे बड़ा सवाल नगरपालिका प्रशासन की कार्यप्रणाली को लेकर उठ रहा है। कई महीनों से आवारा डॉग पकड़ने की कार्रवाई बंद बताई जा रही है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी यह स्पष्ट नहीं कर पा रहे हैं कि शहर में इस समस्या से निपटने के लिए आगे क्या योजना है। शेल्टर हाउस कब शुरू होगा, नया ठेका कब दिया जाएगा और आवारा डॉग पकड़ने का अभियान कब चलाया जाएगा।

खर्च का हिसाब सार्वजनिक करने की मांग

नागरिकों के बीच सवाल भी उठ रहा है कि आवारा डॉग को पकड़ने, उनके प्रबंधन और शेल्टर हाउस के संचालन पर नगरपालिका कितना खर्च कर रही है। इस व्यवस्था पर होने वाले खर्च और मौजूदा कार्ययोजना की जानकारी सार्वजनिक नहीं होने से प्रशासन की जवाबदेही पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

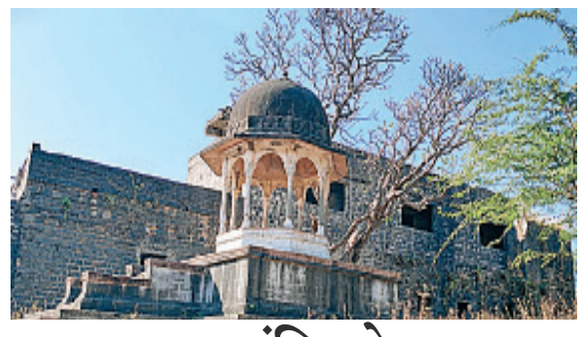

राधाकृष्ण मंदिर के फाटक तोड़े जाने पर भड़के सिंह

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

राघौगढ़। किले की प्राचीन विरासत का हिस्सा माने जाने वाली टेकरी स्थित राधाकृष्ण मंदिर में लगातार हो रही चोरी और असामाजिक तत्वों की बढ़ती हरकतों को लेकर पूर्व सांसद लक्ष्मणसिंह ने शुक्रवार को मौके पर पहुंचकर कड़ा आक्रोश जताया। उन्होंने एक वीडियो संदेश जारी कर पुलिस और प्रशासन से क्षेत्र में सक्रिय नशेड़ियों और स्मैक के धंधेबाजों पर सख्त कार्रवाई करने की मांग की है।

पूर्व सांसद ने कहा कि टेकरी स्थित इस मंदिर में पहले भी दो बार चोरी हो चुकी है और कई बार ताले व खिड़की-जालियां तोड़ी गईं, लेकिन तीन दिन पहले असामाजिक तत्वों ने मंदिर के मुख्य फाटक तक तोड़ दिए। इतना ही नहीं, नशेड़ियों द्वारा मंदिर के पुजारी को भी धमकाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में पुलिस अधीक्षक और राघौगढ़ थाना प्रभारी (टीआई) को पहले ही अवगत कराया जा चुका है, इसके बावजूद अनैतिक गतिविधियों और नशे के कारोबार पर कोई नियंत्रण नहीं लग पाया है। लक्ष्मणसिंह ने स्पष्ट कहा कि यह उनके परिवार की प्राचीन धरोहर है और इस तरह की हरकतों को अब बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

आंदोलन की चेतावनी

तोड़फोड़ और चोरी की घटनाओं से नाराज लक्ष्मणसिंह ने टेकरी स्थल का कायाकल्प कर वहां एक भव्य मंदिर बनाने का ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि अब इस स्थान को एक व्यवस्थित धार्मिक स्थल के रूप में विकसित कर मंदिर को आम जनता के लिए सार्वजनिक किया जाएगा। साथ ही उन्होंने प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि नशे के कारोबार पर शिकंजा कसने में पुलिस की विफलता को देखते हुए अब जनता के समर्थन से एक बार फिर सड़क पर उतरकर आंदोलन करना होगा।

कृषि उपज मंडी का अधीक्षण यंत्री ने किया निरीक्षण



मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

कुंभराज। कृषि उपज मंडी का अधीक्षण यंत्री शैलेंद्र सिंह ठाकुर द्वारा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मंडी प्रांगण में स्थित महाकाल कांटा को चेक किया और जांच में कांटे पर कोई कमी नहीं पाई गई तथा कांटा सही और सुचारू रूप से कार्य करता हुआ मिला।

इसके बाद अधीक्षण यंत्री ने मंडी परिसर में बने कृषक भवन का निरीक्षण किया। कृषक भवन की साफ-सफाई, बैठने की व्यवस्था, पानी के लिए आरओ की व्यवस्था, मंडी प्रांगण की साफ-सफाई, शौचालय की साफ-सफाई और किसानों के लिए की गई सुविधाओं को देखकर उन्होंने मंडी प्रशासन की सराहना की। उन्होंने कहा कि किसानों को बेहतर सुविधा देना ही मंडी का मुख्य उद्देश्य है। निरीक्षण के दौरान मंडी व्यापारी अध्यक्ष सौरभ जैन एवं सचिव विजय मीणा द्वारा नवीन मंडी प्रांगण हेतु भूमि उपलब्ध कराने को लेकर चर्चा की गई। व्यापारियों ने बताया कि वर्तमान मंडी प्रांगण में जगह कम पड़ रही है, इसलिए नवीन मंडी प्रांगण के लिए भूमि की आवश्यकता है। इस पर अधीक्षण यंत्री ने सकारात्मक चर्चा करते हुए उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। निरीक्षण के दौरान मंडी के अधिकारी-कर्मचारी, व्यापारीगण और किसान उपस्थित रहे।

गोलीकांड के 4 आरोपी गिरफ्तार, निकाली पैदल परेड

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

गुना। कुंभराज थाना क्षेत्र में युवक को गोली मारकर दहशत फैलाने की कोशिश करने वाले आरोपियों पर पुलिस ने कसकर शिकंजा कस दिया है। पुलिस ने इस मामले में तेजी से कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को दबोच लिया है और एक आरोपी के पास से वारदात में इस्तेमाल देशी कट्टा भी बरामद किया है।

अपराधियों के मन से कानून का डर न निकलने देने के उद्देश्य से पुलिस ने आरोपियों की कुंभराज में पैदल परेड भी कराई, ताकि आम लोगों में सुरक्षा का भरोसा कायम रहे और बदमाशों का खौफ खत्म हो। मामला 22 नवंबर की रात का है, जब कानाखेड़ी और तुलसीखेड़ी के बीच रास्ता रोककर विवाद के दौरान करन मीना पर गोली चला दी गई थी। गोली करन की जांघ में लगी, जिससे वह घायल हो गया। वारदात के बाद सक्रिय हुई कुंभराज पुलिस ने विभिन्न स्थानों पर दबिश देकर चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ और तलाशी के दौरान आरोपी मोनू मीना के कब्जे से देशी कट्टा मिलने के बाद प्रकरण में आर्म्स एक्ट की धाराएं भी जोड़ दी गईं। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। इस पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी अमित अग्रवाल और उनकी पुलिस टीम की सक्रियता भूमिका रही। पुलिस ने यह साफ संदेश दिया कि इलाके में कानून-व्यवस्था बिगाड़ने वालों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा।

जुआ खेलते 5 आरोपी धराए

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

गुना। कैंट थाना पुलिस ने ग्राम सिंगवासा क्षेत्र में दबिश देकर ताश के पत्तों से जुआ खेलते पांच आरोपियों को पकड़ा है, जबकि एक आरोपी फरार बताया गया है। पुलिस ने मौके से 5,900 रुपये नगद और ताश की गड्डी जब्त की है।

पुलिस के अनुसार 26 नवंबर 2026 को मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर कैंट थाना पुलिस ने मौके से पांच आरोपियों को पकड़ा गया। जिन्होंने पूछताछ में अपने नाम अर्जुन वाल्मीकि पुत्र जगदीश वाल्मीकि, दिलीप धुरिया पुत्र राजू धुरिया, कन्हैया यादव पुत्र चुन्नीलाल यादव, सुनील जाटव पुत्र कल्लू जाटव और गुड्डा यादव पुत्र तखतसिंह यादव, सभी निवासी ग्राम सिंगवासा, थाना कैंट, जिला गुना बताए। आरोपियों के पास से 5,900 रुपये नगद और ताश की एक गड्डी बरामद की गई। मामले में ग्राम सिंगवासा निवासी अजय अहिरवार पुत्र कल्याण अहिरवार को भी आरोपी बनाया गया है, जो फरार है और उसकी तलाश जारी है। कैंट थाने में अपराध क्रमांक 1130/2026, धारा 13 मध्यप्रदेश जुआ अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर कार्रवाई की गई है।

हितचिंतक अभियान प्रत्येक हिन्दू के घर तक संस्कार और सेवा पहुँचाने का संकल्प: योगी

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

अशोकनगर। विश्व हिंदू परिषद -बजरंग दल के हितचिंतक अभियान के अंतर्गत आज शाढ़ौरा एवं नई सराय आमखेड़ा प्रखंड में संगठनात्मक प्रवास हुआ। इस अवसर पर विभाग संगठन मंत्री वीर सिंह योगी का सारगर्भित मार्गदर्शन कार्यकताओं को प्राप्त हुआ। उन्होंने कार्यकताओं से आह्वान किया कि हितचिंतक अभियान केवल सदस्यता का अभियान नहीं, बल्कि प्रत्येक हिंदू घर तक संगठन की विचारधारा, संस्कार और सेवा को पहुँचाने का पावन संकल्प है।

उन्होंने कहा कि जब गाँव-गाँव



का हर हिंदू परिवार हितचिंतक बनेगा, तभी हिंदू समाज सशक्त, संगठित और स्वाभिमानी बनेगा। उन्होंने कार्यकताओं को अधिक से अधिक संख्या में हितचिंतक बनाने का लक्ष्य दिया।

यह रहे उपस्थित

प्रवास में जिला अध्यक्ष अंकित जैन बड़कुल, दिलीप सोनी, अभिषेक यादव सहित विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के अनेक वरिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे। शाढ़ौरा प्रखंड में प्रखंड उपाध्यक्ष रवींद्र, प्रखंड संयोजक राहुल यादव सहित प्रखंड के अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता, नई सराय आमखेड़ा प्रखंड में प्रखंड अध्यक्ष सत्येंद्र रघुवंशी, प्रखंड उपाध्यक्ष राहुल रघुवंशी, प्रखंड मंत्री चंद्रशेखर भार्गव, प्रखंड संयोजक दीपक बैरागी, नवीन सेन, शत्रुघ्न रघुवंशी, सुनील शर्मा सहित संगठन के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अधिक से अधिक हितचिंतक बनाने का संकल्प

इस दौरान भारतीय जनता युवा मोर्चा के मंडल अध्यक्ष को विधिवत हितचिंतक बनाया गया। इसको लेकर कार्यकताओं ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि युवाओं का जुड़ना संगठन की शक्ति को और अधिक प्रबल करेगा। दोनों प्रखंडों में कार्यकताओं ने अधिक से अधिक हितचिंतक बनाने का संकल्प लिया।

हुसैन टेकरी मैदान में युवक का शव मिलने से सनसनी

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

गुना। बूढ़े बालाजी क्षेत्र के हुसैन टेकरी मैदान में एक युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान करीब 26 वर्षीय संजय रजक के रूप में हुई है, जो पुरानी छावनी का निवासी था और कबाड़े का ठेला लगाकर परिवार का गुजारा करता था।

घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच-पड़ताल शुरू की, हालांकि परिजनों के मुताबिक शव मिलने के बाद करीब 4 घंटे तक शव वाहन नहीं पहुंच सका। दोपहर बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के



लिए भिजवाया।

मृतक की बहन ने मामले में हत्या की आशंका जताते हुए मोहल्ले के ही एक युवक पर गंभीर आरोप लगाए हैं। बहन का कहना है कि कुछ दिन पहले उक्त युवक ने संजय के साथ मारपीट की थी और उसे जान से मारने की धमकी भी दी थी। परिजनों के अनुसार, इस घटना के बाद से संजय काफी परेशान और मानसिक तनाव में रह रहा था।

बहन ने यह भी दावा किया कि मारपीट की घटना के बाद पुलिस ने एफआईआर दर्ज नहीं की थी और 181 हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। पुलिस मामले की जांच कर मौत के कारणों का पता लगाने में जुटी है। मृतक के 3 बच्चे और पत्नि है, परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट गया है।

तीन अपराधी जिला बदर

गुना। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट किशोर कुमार कन्याल ने जिले के तीन आदतन अपराधियों के विरुद्ध जिलाबदर करने के आदेश जारी किए हैं। यह कार्रवाई मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम की धाराओं के अंतर्गत पुलिस अधीक्षक हितिका वासल के प्रतिवेदन के आधार पर की गई है।

335 आवेदन आए, 122 का निराकरण

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

अशोकनगर। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत प्रति शुक्रवार को मुख्यमंत्री जन विश्वास शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। अभियान के तहत शुक्रवार को अशोकनगर जिले की नगर परिषद पिपरई में शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 325 आवेदन प्राप्त हुए,जिनमें से 112 आवेदनों का निराकरण मौके पर ही किया गया। शेष आवेदनों का निराकरण किये जाने हेतु समय सीमा निर्धारित कर संबंधित विभागों को सौंपे गये।

शिविर में कलेक्टर साकेत मालवीय ने कहा कि शिविरों में सीएम हेल्पलाइन के तहत जो लंबित शिकायतों का निराकरण कराया जाता है। लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत जो नागरिकों के आवेदन निराकरण हेतु लंबित रहते हैं उनका निराकरण किया जाता है। इस सप्ताह सीएम हेल्पलाईन में विकासखण्ड मुंगावली प्रदेश में चौथे स्थान पर रहा।

लोक सेवा गारंटी में मुंगावली प्रथम

कलेक्टर के अनुसार लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत पूरे प्रदेश में मुंगावली विकासखण्ड ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। यह उपलब्धि जिला एवं खण्ड स्तरीय अधिकारियों द्वारा प्राप्त की गई। उन्होंने कहा कि इन शिविरों में उद्यम संवाद को समाहित किया गया है। पात्र हितग्राहियों को अपने स्वंय के उद्यम स्थापित करने के लिए ऋण के माध्यम से सेवाएं प्रदन की जाती है,जिससे वे सफल उद्यमी बनकर स्वरोजगार स्थापित कर आर्थिक स्थिति की ओर अग्रसर हो सके। कलेक्टर साकेत मालवीय सहित उपस्थित जनप्रतिनिधियों द्वारा शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत चयनित हितग्राहियों को हितलाभ का वितरण किया गया।



इस दौरान शांति स्व सहायता समूह को 09 लाख रुपए ऋण राशि का चेक,कल्याण सिंह को प्रधानमंत्री सृजन योजनान्तर्गत 06 लाख रुपए की ऋण राशि, संबल योजनान्तर्गत पात्र हितग्राहियों को 02-02 लाख रुपए की राशि के चेक,तहसील कार्यालय द्वारा फौती नामातरण प्रमाण पत्र, नगर परिषद द्वारा पात्र हितग्राहियों को अनुग्रह सहायता राशि, प्रधानमंत्री स्वनिधि के स्वीकृति आदेश,महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा लाड़ली लक्ष्मी योजनान्तर्गत पात्र बालिकाओं को प्रमाण पत्र का वितरण,शिक्षा विभाग द्वारा छात्र- छात्राओं को जाति प्रमाण पत्र,स्वास्थ्य विभाग द्वारा मुख्यमंत्री प्रसूति सहायता एवं आयुष्मान कार्ड का वितरण, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र द्वारा पात्र उद्यमियों को ऋण स्वीकृति प्रमाण पत्र,कृषि विभाग द्वारा कृषि यंत्र स्वीकृति प्रमाण पत्र, खाद्य विभाग द्वारा खाद्यान्न पर्ची का वितरण किया गया।

सफल उद्यमियों से किया गया संवाद

शिविर में जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र की विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत सफल उद्यमियों से संवाद किया गया। संवाद के दौरान उद्यमियों द्वारा अपने उद्यम से संबंधित सफलता की कहानी बताई गई। शिविर में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत राजेश जैन,नगर परिषद पिपरई की अध्यक्ष श्रीमती विशन बाई अहिरवार,सांसद प्रतिनिधि लाखन सिंह कटारिया, रंजीत सिंह धाकरे, महेन्द्र सिंह यादव, राहुल यादव,एसडीएम बृजविहारीलाल श्रीवास्तव, एसडीओपी मुंगावली ओमप्रकाश मिश्रा, सीईओ जनपद पंचायत आलोक इटोरिया नागरिकगण उपस्थित रहे।

अब ग्राम पंचायात के रजिस्टर में दर्ज होगी गांवों में होने वाली शादियां

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

राजगढ़। अंतरराष्ट्रीय बाल विवाह उन्मूलन दिवस के अवसर पर शुक्रवार को जनपद पंचायत जीरापुर की ग्राम पंचायत बांगपुरा में 'नई चेतना 5.0' जेंडर अभियान एवं बाल विवाह मुक्त भारत अभियान का शुभारंभ किया गया।

कार्यक्रम में पंचायत एवं ग्रामीण विकास एवं श्रम विभाग मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने बाल विवाह की रोकथाम के लिए पंचायत स्तर पर जवाबदेही तय करने की घोषणा करते हुए कहा कि प्रत्येक ग्राम पंचायत के लिए गांव में होने वाले विवाहों का रिकॉर्ड रखने हेतु विवाह रजिस्टर संधारित करना अनिवार्य किया जाएगा। जिन ग्राम सभाओं में बाल विवाह का एक भी मामला सामने नहीं आएगा, उन्हें सम्मानित किया जाएगा।

कार्यक्रम में प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कौशल विकास एवं रोजगार विभाग गौतम



टेटवाल, सांसद रोडमल नागर, खिलचीपुर विधायक हजारीलाल दांगी, राजगढ़ विधायक अमर सिंह यादव, भाजपा जिला अध्यक्ष ज्ञान सिंह गुर्जर, कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा, पुलिस अधीक्षक अमित तोलानी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत डॉ. इच्छित गढ़पाले, जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन के राष्ट्रीय सचिव श्री मनीष शर्मा सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी, स्व-सहायता समूहों की महिलाएं एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे। इससे पहले कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती जी की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलन कर किया गया। इस दौरान जेंडर अभियान के साप्ताहिक कैलेंडर एवं जेंडर वर्णमाला पुस्तक का विमोचन किया गया। बाल विवाह उन्मूलन, लखपति दीदी एवं लोक अधिकार केंद्र की गतिविधियों पर आधारित लघु फिल्मों का प्रदर्शन किया गया।

बाल विवाह रोकने पंचायतों की होगी महत्वपूर्ण भूमिका

इस दौरान पटेल ने कहा कि बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति को समाप्त करना केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है। इसके लिए पंचायतों, स्कूलों, महिला स्व-सहायता समूहों, धर्मगुरुओं, सामाजिक संगठनों एवं प्रशासन को मिलकर काम करना होगा। उन्होंने कहा कि बेटियों की शिक्षा, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करना आवश्यक है। बेटा और बेटी के बीच किसी प्रकार का भेदभाव नहीं होना चाहिए। प्रत्येक बेटी को शिक्षा प्राप्त करने का अधिकार है।



बैठक में बनाई केन्द्रीय मंत्री सिंधिया के दौरे की रुपरेखा

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

अशोकनगर। कलेक्टर साकेत मालवीय की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में केंद्रीय मंत्री के भ्रमण के दौरान प्रस्तावित कार्यक्रमों की तैयारियों संबंधी बैठक आयोजित की गई। इस दौरान सिंधिया के दौरे की रुपरेखा तैयार की गई।

बैठक में बताया गया कि केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री एवं क्षेत्रीय सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया का 2 दिसंबर को अशोकनगर जिले में भ्रमण कार्यक्रम प्रस्तावित है। इस दौरान केंद्रीय मंत्री सिंधिया विभिन्न कार्यक्रमों में सहभागिता करेंगे। बैठक में कलेक्टर ने सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि संबंधित विभाग आयोजित कार्यक्रम के लिए सभी तैयारियां पूर्ण रखें। इसके साथ ही शहर सौंदर्यीकरण कार्यों के शिलान्यास कराये जाने संबंधी समस्त तैयारियां समय से पूर्ण कराई जाए।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक- जितेंद्र कोठारी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विस प्रा.लि. राऊखेड़ी, देवास रोड, इंदौर (म.प्र.) 453771 से मुद्रित एवं 107, प्रथम माला, स्वदेश भवन, ए.बी. रोड, इंदौर (म.प्र.) 452011 से प्रकाशित। संपादक-राघवेंद्र*।
आरएनआई नं. एमपीबीआईएल/2020/80117, फोन- 0731 3144237, मो. 83570 89000, Email-mradubhashi.news@gmail.com। समाचार चयन के लिए पीआरपी एक्ट के तहत जिम्मेदार। (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा।)